RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 249 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 07-04-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 अमित शाह घुसपैठियों की सिर्फ बातें करते हैं, उन्हें देश से बाहर नहीं निकालते : खरगे
6 कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक
7 'रामायण' में रणबीर कपूर का डबल रोल

फर्स्ट टेक

तेलंगाना में 30 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया

हैदराबाद/भाषा। प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के एक वरिष्ठ कमांडर समेत लगभग 30 सदस्यों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन के उप कमांडर सोडी केशालू उर्फ सोडी केशा भी आत्मसमर्पण करने वालों में शामिल हैं। आधिकारिक सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, अगले कुछ दिनों में आत्मसमर्पण की आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी। केशालू का आत्मसमर्पण पीएलजीए के बटालियन कमांडर बडसे सुक्का उर्फ देवा और 19 भूमिगत कार्यकर्ताओं के तीन जनवरी को तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने के बाद हुआ है।

नाइजीरिया में नागरिकों, पुलिस पर हुए तीन हमलों में 26 लोगों की मौत

अबुजा/एपी। उत्तरी नाइजीरिया में बीते सप्ताहांत नागरिकों और पुलिसकर्मियों को निशाना बनाकर किए गए तीन अलग-अलग हमलों में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई। नाइजीरियाई सेना और स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना ने बताया कि शनिवार को उत्तर-मध्य बेनू प्रांत के ग्वेर वेस्ट क्षेत्र में म्बालोम समुदाय पर हथियारबंद समूह के हमले में कम से कम 17 लोग मारे गए। बेनू की गवर्नर हायसिंथ आलिया ने इस हमले की रविवार को पुष्टि की। बोर्नो पुलिस के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) केनेथ डासो ने बताया कि देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित बोर्नो प्रांत में शनिवार तड़के एक पुलिस मुख्यालय पर हुए हमले में इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े एक समूह के साथ लंबी मुठभेड़ के दौरान चार पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई।

आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) द्वारा समर्थित एक आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से दो हथगोले एवं एक 'ग्लॉक' पिस्तौल बरामद की है। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि हथगोलों पर पीओएफ (पाकिस्तान आयुध कारखाना) के चिह्न हैं जो सीमा पार संबंधों का संकेत देते हैं। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि एक आरोपी को गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के साथ मिलकर चलाए गए एक समन्वित अभियान के तहत अहमदाबाद से गिरफ्तार किया गया।

हिंदी थोपे जाने को कभी स्वीकार नहीं करेगा तमिलनाडु : उदयनिधि स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तंजावुर (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार को भाषा विवाद को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की आलोचना पर तीखा हमला बोला और कहा कि यह राज्य कभी तीन-भाषा फार्मूले को स्वीकार नहीं करेगा, बल्कि तमिल और अंग्रेजी की द्विभाषी नीति का ही पालन करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार तमिलनाडु पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) लागू करने के लिए दबाव बना रही है, जिससे राज्य पर हिंदी थोपने का रास्ता साफ होगा। उन्होंने कहा कि एनईपी को स्वीकार करने का मतलब होगा कि केंद्र को तमिलनाडु पर हिंदी थोपने की अनुमति देना।

उदयनिधि ने तंजावुर जिले के थिरुवैयारु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) उम्मीदवार दुरई चंद्रशेखरन के लिए प्रचार करते हुए कहा, ''हम इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे। हम हमेशा तमिल और अंग्रेजी की दो-भाषा नीति का ही पालन करेंगे।'' उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता से अपील की कि वे चंद्रशेखरन को थिरुवैयारु से छठी बार भारी मतों से विजयी बनाएं।

पाकिस्तान के 'सुर में सुर' मिलाती है कांग्रेस : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ कांग्रेस ने हमेशा अल्पकालिक उपाय अपनाए, ताकि वे भ्रष्टाचार में लिप्त रह सकें।

■ भाजपा समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए निर्णय लेते समय दूरदर्शी सोच रखती है।

बारपेटा/होजाई/डिब्रूगढ़(असम)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि एक ओर उनकी सरकार ने पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर कड़ा रुख अपनाया, वहीं दूसरी ओर विपक्षी कांग्रेस लगातार पड़ोसी देश के सुर में सुर मिलाती नजर आती है।

असम के बारपेटा, होजाई और डिब्रूगढ़ में एक के बाद एक चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए, मोदी ने विपक्षी दल पर विकास के प्रति संकीर्ण दृष्टिकोण रखने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा दीर्घकालिक विकास पर ध्यान केंद्रित करती है।

मोदी ने कहा, ''कांग्रेस ने हमेशा अल्पकालिक उपाय अपनाए, ताकि वे भ्रष्टाचार में लिप्त रह सकें। लेकिन भाजपा समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए निर्णय लेते समय दूरदर्शी सोच रखती है।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि 2016 में की गई 'सर्जिकल स्ट्राइक' हो या वर्ष 2025 का 'ऑपरेशन सिंदूर', इस दौरान कांग्रेस हमेशा पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाती रही और उसके एजेंडे को अहमियत देती रही है। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान से यह संबंध हमेशा देश पर भारी पड़ता है, और हम कभी इसकी अनुमति नहीं दे सकते।'' उन्होंने कांग्रेस पर दशकों तक 'वन रैंक, वन पेंशन' योजना लागू न करके सेना की उपेक्षा करने का आरोप भी लगाया। ।

प्रधानमंत्री ने रैली को संबोधित करते हुए कहा,''भाजपा सरकार ने यह लाभ देकर सुनिश्चित किया कि देश की रक्षा करने वालों को न्याय मिले। हमने अब तक पूर्व सैन्यकर्मियों के बैंक खातों में 12.4 लाख करोड़ रुपये अंतरित किए हैं।''

होजाई में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने गांधी परिवार पर परिवारवादी राजनीति और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस का प्रथम परिवार देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है, जो बड़े-बड़े घोटालों में लिप्त है और फिलहाल जमानत पर बाहर है। कांग्रेस सिर्फ दो काम कर सकती है - झूठ बोलना और भ्रष्टाचार में लिप्त होना।

राहुल गांधी की 'मोहब्बत की दुकान' वाली टिप्पणी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस 'मिथ्या की दुकान' और 'अपमान' का प्रतिनिधित्व करती है।

दो नए गैस टैंकर होर्मुज से भारत की तरफ बढ़े, अब भी 16 जहाज फंसे

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारतीय ध्वज वाले दो एलपीजी टैंकर सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर भारतीय बंदरगाहों की तरफ बढ़ रहे हैं, जबकि 16 अन्य मालवाहक जहाज अब भी फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने संवाददाताओं से कहा कि 46,650 टन एलपीजी से लदा टैंकर 'ग्रीन सानवी' सात अप्रैल को भारत पहुंचेगा जबकि 15,500 टन गैस लेकर 'ग्रीन आशा' टैंकर नौ अप्रैल को भारतीय तट पर पहुंचेगा। उन्होंने कहा, ''पश्चिम एशिया संकट के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारतीय समुद्री परिचालन सुरक्षित और निर्बाध बना हुआ है। दो एलपीजी टैंकर इस जलडमरूमध्य से आगे बढ़ गए हैं जबकि 433 नाविकों के साथ भारतीय ध्वज वाले 16 जहाज अभी उसी इलाके में हैं।'' अब तक भारतीय ध्वज वाले कुल आठ एलपीजी टैंकर इस रणनीतिक जलमार्ग को सुरक्षित पार कर चुके हैं। ईरान पर 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के साझा हमले शुरू होने के बाद से ही यह जलमार्ग लगभग बंद हो चुका है। यह जलडमरूमध्य खाड़ी देशों से तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है।

जो लोग धैर्य के साथ कठिनाइयों का सामना करते हैं, अंततः विजयी होते हैं : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को एक कार्यक्रम में छात्रों से कहा कि जीवन में सफलता केवल किसी की उपलब्धियों से ही नहीं, बल्कि उसके चरित्र, ईमानदारी और असफलताओं के बाद फिर से उठ खड़े होने की क्षमता से भी परिभाषित होती है।

हरियाणा के सोनीपत जिले के मुरथल स्थित दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति ने कहा कि जो लोग धैर्य के साथ कठिनाइयों का सामना करते हैं, अंततः विजयी होते हैं। उन्होंने छात्रों को धैर्य विकसित करने और जीवन की चुनौतियों का साहस और सकारात्मकता के साथ सामना करने की सलाह दी।

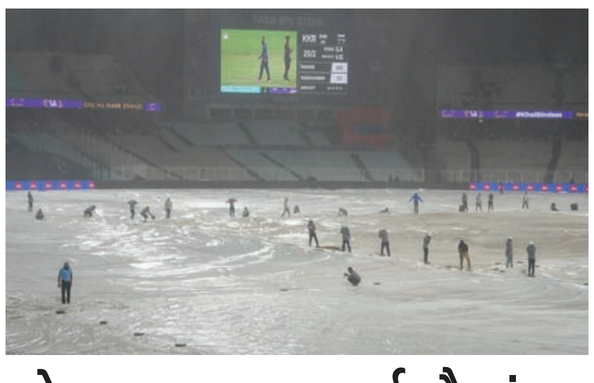

कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स का मैच बारिश की भेंट चढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच सोमवार को यहां खेला गया इंडियन प्रीमियर लीग मैच बारिश के कारण 3.4 ओवर के खेल के बाद रद्द करना पड़ा जिससे दोनों टीम को एक-एक अंक मिला।

मैच रद्द होने के साथ मौजूदा सत्र में नाइट राइडर्स के अंकों का खाता भी खुल गया। टीम को अपने शुरूआती दो मैच में हार का सामना करना पड़ा था जबकि तीसरे मैच में भी टीम दो विकेट पर 25 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी और अगर मैच शुरू होता तो यह पांच ओवर का ही हो पाता और टीम को सिर्फ आठ गेंद और खेलने को मिलती जिससे संभवतः उसकी स्थिति काफी कमजोर होती। दूसरी तरफ अपने शुरूआती दो मैच जीतने वाली पंजाब की टीम तीन मैच में पांच अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है। मैच को नाइट राइडर्स की पारी में 3.4 ओवर के खेल के बाद हल्की बूंदाबांदी के कारण रोका गया जो बाद में बारिश तेज होने के कारण दोबारा शुरू नहीं हो पाया।

मौजूदा सत्र में पहली जीत की तलाश में जुटे नाइट राइडर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन उन्हें शुरुआत में ही बड़ा झटका लगा जब जेवियर बार्टलेट ने दूसरे ओवर में दो विकेट झटक लिए।

राष्ट्र की समृद्धि ही व्यक्तिगत प्रगति की कुंजी है

कोच्चि (केरल)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि व्यक्तिगत समृद्धि तभी संभव है, जब देश समृद्ध और सुरक्षित हो। वह यहां आरएसएस से संबद्ध छात्रों के सांस्कृतिक संगठन बालगोकुलम के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

भागवत ने कहा कि समृद्धि और सुरक्षा को अलग-अलग हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, ''जब देश समृद्ध और सुरक्षित होता है, तब परिवार भी समृद्ध और सुरक्षित होते हैं। जब व्यक्ति देश की समृद्धि और सुरक्षा के लिए काम करता है, तो वह स्वयं भी समृद्ध बनता है।'' उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को अक्सर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया जाता है। युवाओं का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि अक्सर यह भ्रम रहता है कि व्यक्तिगत करियर पर ध्यान दिया जाए या देश के विकास के लिए काम किया जाए। उन्होंने कहा, ''ऐसा कोई भ्रम नहीं होना चाहिए, क्योंकि करियर बनाना और देश के लिए काम करना एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं।

ईरान ने युद्धविराम प्रस्ताव खारिज किया, ट्रंप की समयसीमा पूरी होने के नजदीक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

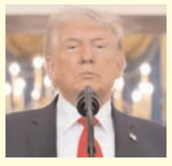

■ ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि वह या तो निर्धारित समयसीमा के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य खोले या बिजली संयंत्रों और पुलों पर हमले का सामना करने के लिए तैयार रहे।

■ ईरानी राजनयिक मिशन के प्रमुख मोजतबा फरदौसी पोर ने कहा, हम केवल युद्धविराम स्वीकार नहीं करेंगे। हम युद्ध की समाप्ति तभी स्वीकार करेंगे जब हमें यह गारंटी दी जाए कि हम पर दोबारा हमला नहीं किया जाएगा।

तेहरान/एपी। ईरान ने सोमवार को नवीनतम युद्धविराम प्रस्ताव को खारिज कर दिया और कहा कि वह युद्ध का स्थायी अंत चाहता है। यह जानकारी ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' ने दी। यह खबर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तेहरान को होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए ईरान को दी गई समयसीमा नजदीक आने से ठीक पहले आई है।

ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि वह या तो निर्धारित समयसीमा के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य खोले या बिजली संयंत्रों और पुलों पर हमले का सामना करने के लिए तैयार रहे।

समाचार एजेंसी ने बताया कि ईरान ने पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को अपना जवाब दे दिया है।

काहिरा स्थित ईरानी राजनयिक मिशन के प्रमुख मोजतबा फरदौसी पोर ने सोमवार को 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा, हम केवल युद्धविराम स्वीकार नहीं करेंगे। हम युद्ध की समाप्ति तभी स्वीकार करेंगे जब हमें यह गारंटी दी जाए कि हम पर दोबारा हमला नहीं किया जाएगा।

फरदौसी पोर ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरानी और ओमानी अधिकारी जहाजरानी के इस महत्वपूर्ण मार्ग के प्रशासन हेतु एक तंत्र विकसित करने पर काम कर रहे हैं। ईरान द्वारा युद्धविराम प्रस्ताव खारिज किए जाने से पहले

इजराइल ने ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड की गुप्त इकाई के शीर्ष अधिकारी को मार गिराने का दावा किया

यरूशलम/एपी। इजराइल की सेना ने सोमवार को कहा कि उसने ईरानी अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड की 'कुद्स फोर्स' की गुप्त इकाई के शीर्ष अधिकारी को मार गिराया है। सैन्य प्रवक्ता एवं लेफ्टिनेंट कर्नल नैडव शोशानी ने संवाददाता सम्मेलन में, असगर बाकेरी के मारे जाने की पुष्टि की। उन्होंने दावा किया कि बाकेरी ने इजराइली और अमेरिकी ठिकानों पर हमलों के साथ-साथ इजराइल, सीरिया और लेबनान में सैन्य अभियान चलाने की योजना बनाई थी।

इजराइल ने आज ईरान के विशाल 'साउथ पार्स' प्राकृतिक गैस क्षेत्र में स्थित अहम पेट्रो-संयंत्र पर हमला किया।

अहंकार नीति बन जाए तो देश को दशकों पीछे धकेल दिया जाता है : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पश्चिम एशिया संकट के कारण एलपीजी की कथित किल्लत तथा शहरों से मजदूरों के कथित पलायन के विषय को लेकर सोमवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि जब अहंकार नीति बन जाए तो अर्थव्यवस्था चरमराती है एवं देश दशकों पीछे धकेल दिया जाता है। उन्होंने यह दावा भी किया कि सरकार ने इस संकट को लेकर भी वही नीति अपनाई जो उसने कोविड संकट के समय अपनाई थी।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, (प्रधानमंत्री) मोदी जी ने कहा था, एलपीजी संकट को कोविड की तरह संभालेंगे। और सच में वही किया। बिल्कुल कोविड के जैसे ही नीति शून्य, घोषणा बड़ी, और बोझ गरीबों पर है। उन्होंने कहा कि 500-800 रुपये की दिहाड़ी कमाने वाले प्रवासी मज़दूरों के लिए रसोई गैस पहुंच से बाहर हो गई है।

भारत के डेटा की सुरक्षा को लेकर अंधेरे में रखा गया : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते की पृष्ठभूमि में सोमवार को आरोप लगाया कि सरकार की ओर इस बात को लेकर अंधेरे में रखा गया कि भारत का डेटा कैसे सुरक्षित रहेगा। उन्होंने बीते एक अप्रैल को लोकसभा में पूछे गए अतारांकित प्रश्न और सरकार के जवाब का उल्लेख करते हुए इस बात पर जोर भी दिया कि भारत का डेटा भारत के लोगों का है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, भारत का डेटा भारत के लोगों का है। एआई आधारित अर्थव्यवस्था में एआई का निर्माण करना, कंपनियों का विकास करना और नौकरियां पैदा करना हमारी सबसे बड़ी ताकतों में से एक हो सकता है। उनका कहना है, इसलिए मैंने सरकार से अमेरिका के साथ हालिया व्यापार समझौते के बारे में कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे थे।

राहुल गांधी के अनुसार, उन्होंने सवाल किया था, अमेरिका के साथ व्यापार बाधाओं को कम करने का हमारे डेटा के लिए क्या मतलब है? क्या हमारा स्वास्थ्य डेटा, वित्तीय डेटा और सरकारी डेटाबेस भारत में रहेगा? क्या भारत को अब भी विदेशी कंपनियों को यहां डेटा संग्रहीत करने और उसका उपयोग अपनी एआई बनाने के लिए करने की आवश्यकता हो सकती है?

रायबरेली से लोकसभा सदस्य ने कहा, हमारे डेटा संप्रभुता, स्वास्थ्य डेटा, एआई और स्थानीय डेटा भंडारण पर प्रत्येक प्रश्न का एक ही उत्तर मिलता है।

सूर्यास्त 07-04-2026	सूर्योदय 08-04-2026
6:20 बजे	6:00 बजे

BSE	NSE
74,106.85	22,968.25
(+787.30)	(+255.15)

सोना	चांदी
15,541 रु.	241,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आखिरी सच

गुटबंधन से गठबंधन तक,
घट-घट में आशंका है।
जिसको भी घर भेदी मिलते,
उसने लूटी लंका है।
सपनों के मंदिर के आगे,
टँगा मतलबी टंका है।
जो जीता बस वही सिकंदर,
बजता उसका डंका है।।

ईडी ने महाराष्ट्र के स्वयंभू बाबा खरात के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया है और जल्द ही उससे पूछताछ की जाएगी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संघीय एजेंसी के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की है।

अधिकारियों ने कहा कि ईडी ने खरात के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस द्वारा दर्ज की गईं कई प्राथमिकियों का संज्ञान लिया है। उन्होंने बताया कि ईडी द्वारा जल्द ही उससे और उससे जुड़े कुछ अन्य लोगों से पूछताछ की जाएगी। खुद को ज्योतिषी बताने वाले खरात को मार्च में तब गिरफ़्तार किया गया था, जब एक विवाहित महिला ने आरोप लगाया कि स्वयंभू बाबा ने उसके साथ तीन साल तक बार-बार बलात्कार किया। राज्य पुलिस ने अब तक उसके खिलाफ कुल आठ प्राथमिकी दर्ज की हैं।

बाद में हुई एक जाँच में कई अपराधों का खुलासा हुआ, जिनमें यौन उत्पीड़न और ज़मीन, कुछ सहकारी ऋण समितियों में खाते खोलने तथा अन्य संपत्तियों से जुड़ी वित्तीय अनियमितताएँ शामिल हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को नासिक में पत्रकारों से कहा, ''खरात के सभी खातों की जानकारी हमारे संज्ञान में आ गई है, और उनके माध्यम से हुए लेन-देन की पहचान कर ली गई है।'' उन्होंने कहा, ''मेरा पक्का विश्वास है कि सभी अवैध संपत्तियों और गलत कार्यों के बारे में पता लग जाएगा।''

'हाई-स्पीड कॉरिडोर' ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में संपर्क और आर्थिक विकास को नई दिशा देगा : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुरैना (मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को ग्वालियर-एक्सप्रेस-वे परियोजना का निरीक्षण किया और कहा कि यह हाई-स्पीड कॉरिडोर ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में संपर्क और आर्थिक विकास को नई दिशा देगा। उन्होंने इस परियोजना का जायजा लेने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि 5,500 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा ग्वालियर-आगरा ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे वर्तमान मार्ग की तुलना में लगभग 32 किलोमीटर छोटा होगा और कुल दूरी लगभग 88 किलोमीटर रह जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दो-लेन की सड़क को उन्नत कर छह-लेन हाई-स्पीड कॉरिडोर बनाया जाएगा, जहां न्यूनतम गति 100 किमी प्रति घंटा होगी।

सिंधिया ने कहा कि आगरा से ग्वालियर की यात्रा अभी ढाई से तीन घंटे में पूरी होती है, जो इस एक्सप्रेस वे के बनने के बाद मात्र 45 से 50 मिनट में पूरी हो सकेगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लगभग तीन वर्ष में ये एक्सप्रेस-वे जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस एक्सप्रेस-वे को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है, जिसमें सीमित प्रवेश और निकासी बिन्दु रखे जाएंगे।

सिंधिया ने कहा, ''पूरे मार्ग में केवल चार प्रमुख प्रवेश-निकास बिंदु होंगे, जिससे यातायात निर्बाध और सुरक्षित बना रहेगा। यह व्यवस्था हाई-स्पीड कॉरिडोर को बिना व्यवधान के सुचारू रूप से संचालित करने में सहायक होगी।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस परियोजना के अंतर्गत चंबल नदी पर अत्याधुनिक तकनीक से छह-लेन के पुल का निर्माण किया जाएगा, जो अपनी संरचना में विश्व स्तरीय होगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही शिवपुरी को जोड़ने के लिए लगभग 28 किलोमीटर लंबा पश्चिमी बाईपास भी विकसित किया जा रहा है, जिसकी लागत लगभग 1,400 करोड़ रुपए है।

सिंधिया ने कहा कि इससे दिल्ली, ग्वालियर, शिवपुरी और गुना के बीच आवागमन और अधिक सुलभ होगा।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि ग्वालियर-आगरा एक्सप्रेस-वे और पश्चिमी बाईपास को मिलाकर कुल लगभग 7,000 करोड़ रुपए की परियोजनाएं क्षेत्र को मिली हैं। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त ग्वालियर में और 600 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक रेलवे स्टेशन का निर्माण भी जारी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''इन परियोजनाओं से पूरे ग्वालियर-चंबल क्षेत्र का समग्र कायाकल्प होगा और निवेश, रोजगार एवं व्यापार के नए अवसर सृजित होंगे।''

अनिल अंबानी समूह से संबंधित जांच में 73,000 करोड़ रु. की बैंक धोखाधड़ी का सीबीआई का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) रिलायंस अनिल अंबानी समूह के खिलाफ दर्ज सात मामलों में कुल 73,000 करोड़ रुपए की बैंक ऋण धोखाधड़ी की जांच कर रहा है। यह जानकारी उच्चतम न्यायालय में फरवरी में दायर स्थिति रिपोर्ट में दी गई है।

जांच एजेंसी ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि वह इन सात मामलों की जांच कर रही है और कुछ सरकारी कर्मचारियों की भूमिकाओं की भी छानबीन कर रही है। सीबीआई और वित्तीय जांच एजेंसी ईडी द्वारा दायर स्थिति रिपोर्ट की समीक्षा के बाद, उच्चतम न्यायालय ने 23 मार्च को एक आदेश जारी किया। शीर्ष अदालत ने सीबीआई जांच का संदर्भ देते हुए अपने आदेश में कहा, ...अन्य मामलों में होने वाले नुकसान भी कई हजार करोड़ रुपए के हैं, जो लगभग 73,006 करोड़ रुपए के कुल दावे बनाते हैं।'' 'पीटीआई-भाषा' को इस मामले में रिलायंस समूह को भेजे गए प्रश्न का उत्तर नहीं मिला है। ईडी ने अदालत को बताया कि उसने कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं, जो कथित ''प्रोजेक्ट हेल्प'' के बारे में जानकारी देते हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि दिवाला कार्रवाई ''जानबूझकर'' असंबंधित ऋणदाताओं के माध्यम से शुरू की गई थी। न्यायालय ने ईडी की रिपोर्ट पढ़ने के बाद कहा, ''रिपोर्ट के अनुसार, आईबीसी (दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता) कार्रवाई के तहत अधिग्रहण संबंधी सभी फंडिंग आठ एनबीएफसी (नॉन-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) के समूह के माध्यम से की गई थी... इस बात का संज्ञान लिया गया कि लगभग 2,983 करोड़ रुपए के दावे का निपटारा केवल 26 करोड़ रुपए में किया गया।'' ईडी ने अदालत को यह भी सूचित किया कि उसने इन मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया है और वर्तमान में रिलायंस अनिल अंबानी समूह से जुड़े आठ मामलों की पड़ताल कर रहा है।

पश्चिमी एशिया संकट से प्रभावित क्षेत्रों को समर्थन देने के लिए वित्तीय गुंजाइश उपलब्ध : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित क्षेत्रों को समर्थन देने के लिए भारत के पास पर्याप्त वित्तीय गुंजाइश है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए ब्याज दर में कटौती की गुंजाइश है।

रिजर्व बैंक गवर्नर की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति बुधवार को मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करेगी। व्यापक रूप से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आरबीआई यथास्थिति बनाये रखेगा। समिति की तीन दिवसीय बैठक सोमवार को शुरू हुई।

सीतारमण ने राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) के एक कार्यक्रम में कहा कि यह साल पिछले वर्ष की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष अब केवल क्षेत्रीय सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित करने वाला बड़ा झटका बन गया है और नई बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का संकेत दे रहा है।''

सीतारमण ने कहा कि इस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता के दौर से गुजर रही है, जबकि दुनिया भर में सार्वजनिक ऋण भी तेजी से बढ़ा है। उन्होंने कहा कि कर्ज प्रबंधन के मामले में भारत का प्रदर्शन बेहतर है। कुल ऋण-जीडीपी अनुपात 81% है, जो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश राजकोषीय सूझ-बूझ बनाए रखने में विफल रहने के कारण चुनौतियों से निपटने के लिए सीमित राजकोषीय संसाधनों की समस्या का सामना कर रहे हैं।

सीतारमण ने कहा कि इसके उलट, ''भारत के पास राजकोषीय संसाधन हैं। पूंजीगत व्यय कार्यक्रम को जारी रखने की गुंजाइश है, आरबीआई के पास ब्याज दरें कम करने की गुंजाइश है और प्रभावित क्षेत्रों को लक्षित सहायता प्रदान करने की क्षमता है। यह एक दशक के राजकोषीय सूझ-बूझ और अनुशासन का परिणाम है।'' उन्होंने कहा कि राजकोषीय गुंजाइश को देखते हुए ही भारत ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम किया और पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ती कीमतों से आम आदमी को बचाने के लिए प्रमुख पेट्रोरसायन उत्पादों पर सीमा शुल्क से छूट दी।

सरकारी प्रतिभूतियों में एफपीआई निवेश की सीमा 6% पर बरकरार : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निवेश सीमा सामान्य मार्ग के तहत छह प्रतिशत पर बरकरार रखी गई है।

आरबीआई ने एक परिपत्र में कहा कि सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक), राज्य सरकार की प्रतिभूतियों (एसजीएस) और कॉरपोरेट बॉन्ड में एफपीआई निवेश की सीमा चालू वित्त वर्ष के लिए क्रमशः छह प्रतिशत, दो प्रतिशत और 15 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रहेगी। इसके साथ ही, जी-सेक सीमा में बढ़ोतरी को 'सामान्य' और 'दीर्घावधि' श्रेणियों के बीच 50:50 के अनुपात में बांटने का प्रावधान भी बरकरार रखा गया है। केंद्रीय बैंक के मुताबिक, 2026-27 के लिए कुल मिलाकर 3.30 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त निवेश सीमा निर्धारित की गई है। इसके अलावा कॉरपोरेट बॉन्ड पर एफपीआई द्वारा बेचे जाने वाले क्रेडिट डिफॉल्ट स्वैप की अधिकतम सीमा भी बकाया स्टॉक का पांच प्रतिशत तय की गई है। आरबीआई ने यह भी कहा है कि विदेशी निवेशकों के लिए बिना सीमा वाले सरकारी बॉन्ड निवेश मार्ग 'एफएआर' के तहत निर्दिष्ट प्रतिभूतियों में सभी पात्र निवेशकों का निवेश जारी रहेगा। वहीं, एक अप्रैल, 2026 से 'स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग' (वीआरआर) के तहत मौजूदा और नए निवेश भी सामान्य मार्ग की निर्धारित सीमाओं के अधीन होंगे।

भारत में पहली बार 45 लाख साल पुराने मीठे पानी की मछलियों के जीवाश्म देहरादून के नजदीक मिले

देहरादून/भाषा। भारत में पहली बार 45 लाख वर्ष पुराने मीठे पानी की मछलियों ट्राइकोगैस्टर फैसियाटा यानी गौरामिस के जीवाश्म देहरादून के नजदीक मिले हैं। यहां स्थित वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान (डब्लूआईएचजी) को यह सफल मिली है। संस्थान को प्लायोसीन काल के ताजा पानी की मछलियों के ओटोलिथ (मछलियों के आंतरिक कान में पाई जाने वाली हड्डी, जो उनके संतुलन और सुनने में मदद करती हैं) जीवाश्म उत्तरपश्चिम हिमालय में देहरादून से सटे उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के मोहंड से मिले।

संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक एन प्रेमजीत सिंह ने इस खोज को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि नियोजीन काल (मायोसीन काल एवं प्लायोसीन काल) के शिवालिक जमाव को लंबे समय से उनके समृद्ध स्थलीय जीवाश्म रिकॉर्ड के लिए पहचाना जाता है, लेकिन मीठे पानी के जीव-जंतुओं के अवशेष अब तक लगभग अज्ञात ही हैं। उन्होंने कहा, ''इस अध्ययन में पहली बार मोहंड के ऊपरी शिवालिक पाइलोसीन काल के जमावों में मीठे पानी की मछलियों के ओटोलिथ जीवाश्म पाए गए हैं।'' सिंह ने बताया कि अध्ययन के दौरान मछलियों के तीन प्रकार के समूहों- चेन्ना (चेन्नीडेई), ट्राइकोगैस्टर फैसियाटा (ओस्फोनेमिडाई) और गोबीडेई इंडेट के जीवाश्म मिले। उन्होंने कहा, ''इनमें से टी फैसियाटा (सामान्य नाम-गौरामिस) का विश्व में यह दूसरा जबकि भारत में खोजा गया पहला ओटोलिथ जीवाश्म है। इसका पहला जीवाश्म इंडोनेशिया के सुमात्रा में खोजा गया था।'' अध्ययन के अनुसार, यह जीव समूह मध्य स्तर के शिकार और शीर्ष शिकारी जीवों से बनी एक संरचित पोषण संरचना को दर्शाता है। ये जीव-जंतु घटक एक शांत, संभवतः स्थिर जल वाले मीठे पानी के आवास का संकेत देते हैं जिसमें घनी वनस्पति हो और जो मछलियों के अनुरूप हो।

खरगे की टिप्पणी से गुजरात के प्रति कांग्रेस की पुरानी नफरत झलकती है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की गुजरात के अशिक्षित लोग टिप्पणी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने व्यापक निंदा की और आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी के डीएनए में गुजरात विरोधी जहर बहता है और माफी की मांग की। खरगे की टिप्पणी की निंदा करने वाले भाजपा नेताओं में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी शामिल हैं।

गांधीनगर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि खरगे ने ना केवल गुजरात की जनता का अपमान किया है, बल्कि महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल की पवित्र भूमि की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई है। पटेल ने कहा, ''ये टिप्पणियां बेहद आपत्तिजनक और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। उन्होंने (खरगे ने) ना केवल 6.5 करोड़ गुजरातियों का अपमान किया है, बल्कि महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल की पवित्र भूमि की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई है। इन टिप्पणियों से राज्य की जनता का अपमान हुआ है और उनकी गरिमा को भी ठेस पहुंची है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि खरगे की टिप्पणियां प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा को मिल रहे बढ़ते जनसमर्थन के कारण कांग्रेस में व्याप्त असुरक्षा की भावना को दर्शाती हैं। पटेल ने कहा, उनका (खरगे का) शर्मनाक बयान स्पष्ट करता है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा की विकास नीतियों को मिल रहे व्यापक जनसमर्थन के कारण कांग्रेस असुरक्षित महसूस कर रही है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर गुजरात विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह गुजरात और गुजरातियों के प्रति कांग्रेस की पुरानी मानसिकता है; यह नई नहीं है। कांग्रेस ने सरदार साहब (वल्लभभाई पटेल) को भारत रत्न से सम्मानित नहीं करके उनकी भी उपेक्षा की। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के निर्माण के दौरान भी बाधाएं खड़ी की थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सरदार सरोवर बांध का काम रोकने का भी पाप किया था। पटेल ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकारों के फैसलों ने गुजरात के किसानों और उद्योगों को नुकसान पहुंचाया है, जिनमें कपास निर्यात पर प्रतिबंध और उद्योग स्थापित करने के इच्छुक निवेशकों को कर नोटिस भेजना शामिल है।

रेलवे कर्मचारियों की मदद से ट्रेन में गूंजी किलकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयवाड़ा/भाषा। दक्षिण-मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल ने सोमवार को कहा कि उसके टिकट जांच कर्मचारियों ने अलाप्पुझा-धनबाद एक्सप्रेस में एक गर्भवती महिला का सुरक्षित रूप से प्रसव कराने में मदद की।

विजयवाड़ा मंडल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह घटना पांच अप्रैल को हुई, जब ट्रेन संख्या 13352 (अलाप्पुझा-धनबाद एक्सप्रेस) के बी1 कोच में परिजनों के साथ सफर कर रही एक गर्भवती महिला यात्री को अन्नावरम स्टेशन पार करने के कुछ ही देर बाद प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। विज्ञप्ति के मुताबिक, विजयवाड़ा मंडल ने अपने कर्मचारियों की समयबद्ध और सहानुभूतिपूर्ण प्रतिक्रिया के जरिये एक बार फिर यात्रियों की सुरक्षा एवं देखभाल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रसव पीड़ा उठने पर महिला के परिजनों ने मदद के लिए ड्यूटी पर तैनात टिकट जांच कर्मचारियों से संपर्क किया। इसमें कहा गया है कि विजयवाड़ा मंडल की टीटीआई (सुविधा) जी ज्योति ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ट्रेन में सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए हर संभव मदद प्रदान की। विज्ञप्ति के अनुसार, ज्योति ने वाणिज्यिक नियंत्रक के साथ समन्वय किया और 108 आपातकालीन एंबुलेंस सेवा के माध्यम से चिकित्सा सहायता की व्यवस्था की। इसमें कहा गया है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ट्रेन को एलमंचिली स्टेशन पर रोकने का फैसला लिया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि रेलवे कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों के चलते जच्चा-बच्चा को एंबुलेंस के जरिये सुरक्षित रूप से एलमंचिली के सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

हरियाणा सरकार के कर्मचारियों को एआई कौशल से लैस किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। प्रौद्योगिकी आधारित शासन को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई पहल के तहत हरियाणा सरकार के कर्मचारियों को एआई (कृत्रिम मेधा) के इस्तेमाल में दक्ष किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम राज्य सरकार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य अधिकारियों को डिजिटल क्षेत्र में दक्ष करके अधिक कुशल, उत्तरदायी और नागरिक-केंद्रित प्रशासनिक प्रणाली का निर्माण करना है।

हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने राज्य के सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, प्रशिक्षण संस्थानों, बोर्ड, निगमों और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को पत्र लिखकर उनसे 'आईगॉट कर्मयोगी' मंच के माध्यम से सरकारी कर्मचारियों में एआई कौशल को बढ़ावा देने का आग्रह किया है। मिशन कर्मयोगी के तहत राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षण पोर्टल- 'आईगॉट कर्मयोगी' मंच लोक प्रशासकों के लिए तैयार किए गए एआई के निःशुल्क, स्व-गति से सीखने योग्य और प्रमाणित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि इन पाठ्यक्रमों को कर्मचारी अपनी नियमित जिम्मेदारियों को बाधित किए बिना अपनी सुविधा के अनुसार कर सकते हैं, जिससे ये निरंतर सीखने और क्षमता निर्माण के लिए एक व्यावहारिक और सुलभ साधन बन जाते हैं। बयान में कहा गया कि राज्य का प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) शासन में एआई के बढ़ते महत्व को देखते हुए इस पहल को सक्रिय रूप से समर्थन दे रहा है।

हरियाणा, राजस्थान में घर खरीदारों से धोखाधड़ी मामले में 944 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा और राजस्थान में 1,500 से अधिक घर खरीदारों को भुगतान के बावजूद आवासीय इकाइयों का कब्जा न सौंपे जाने से जुड़े एक मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत लगभग 944 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां कुर्क कर ली हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई पलवल, फरीदाबाद, रेवाड़ी और भिवाड़ी में स्थित परियोजनाओं से संबंधित है, जहां कथित तौर पर भुगतान के बावजूद खरीदारों को संपत्ति का कब्जा नहीं दिया गया। ईडी ने एक बयान में कहा कि उसने पीयूष कॉलोनाइजर्स लिमिटेड, कंपनी के पूर्व प्रवर्तकों और उनसे संबंधित व्यावसायिक संस्थाओं/व्यक्तियों के स्वामित्व वाली लगभग 944 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। बयान के मुताबिक, कुर्क की गई संपत्तियों में चारों शहरों में मौजूद परियोजना भूमि, फ्लैट, कृषि भूमि और व्यावसायिक स्थान शामिल हैं।

एआई के बढ़ते उपयोग से अब कंपनियों को बड़ी संख्या में कर्मचारियों की जरूरत नहीं : टीमलीज डिजिटल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'टीमलीज डिजिटल' की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नीति शर्मा ने कहा है कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हो रही छंटनी अब सिर्फ अस्थायी दौर नहीं है, बल्कि यह एक बुनियादी बदलाव है।

कंपनियां अब 'कृत्रिम मेधा' (एआई) के बढ़ते उपयोग से छोटी टीम के जरिये ही अधिक काम ले रही हैं।

शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बार-बार हो रही छंटनी से नौकरी जाने का डर बढ़ रहा है और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के 60 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी अपने रोजगार के स्थायित्व को लेकर चिंतित हैं।

उन्होंने कहा कि कंपनियों के लिए छंटनी अब आर्थिक तंगी का मामला नहीं है, बल्कि वे अधिक

कर्मचारियों पर निर्भर रहने वाले श्रम-केंद्रित मॉडल से हटकर प्रौद्योगिकी के सहारे आगे बढ़ने वाले मॉडल पर जा रही हैं।

शर्मा ने कहा कि कोडिंग और ग्राहकों को सहायता देने जैसे कामों में एआई की वजह से 10 से 30 प्रतिशत तक कार्यक्षमता बढ़ी है। उन्होंने बताया कि बाजार के रुझानों के अनुसार ग्राहकों को सहायता (कस्टमर सपोर्ट) देने में 14 से 15 प्रतिशत और कोडिंग तथा लेखन जैसे कुछ विशेष कार्यों में 40 प्रतिशत तक का सुधार देखा जा रहा है।

शर्मा ने बताया कि बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के पास धन की कमी नहीं है, लेकिन वे कृत्रिम मेधा के बुनियादी ढांचे पर हर साल अरबों डॉलर खर्च कर रही हैं। इस बड़े निवेश के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से भी पुरानी नौकरियों में कटौती की जा रही है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत में जहां एआई के कारण लाखों नौकरियों का स्वरूप बदल सकता है, वहां कर्मचारियों को नए हुनर सिखाना बहुत जरूरी है क्योंकि आज केवल 25 प्रतिशत से कम कर्मचारियों को ही औपचारिक प्रशिक्षण मिल पाता है।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी शर्मा ने कहा कि अब ध्यान 'नौकरियों को बचाने' के बजाय 'कर्मचारियों को नए उभरते कामों के लायक बनाने' पर होना चाहिए।

एलपीजी की कोई कमी नहीं, अफवाहों पर भरोसा न करें: एचपीसीएल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जरूरत होने पर ही बुकिंग करें
हिन्दुस्तान पेट्रोलियम

मुंबई/दक्षिण भारत। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि. (एचपीसीएल) देशभर में ईंधन और एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके तहत उसने मजबूत और संतुलित परिचालन बनाकर रखा है। उसने बताया कि 3.8 करोड़ लीटर से ज्यादा पेट्रोल और 6.9 करोड़ लीटर से ज्यादा डीजल की बिक्री की है।

कंपनी ने एक ही दिन में 1.94 करोड़ से ज्यादा उपभोक्ताओं के व्यापक ग्राहक आधार को आपूर्ति की। वहीं, 9,951 टैंकरों को रिटेल आउटलेट्स पर भेजा गया, जिससे सभी क्षेत्रों में कुशलतापूर्वक और समय पर डिलीवरी हुई। एलपीजी खंड में, एचपीसीएल ने 14,40,000 सिलेंडरों की सामान्य डिलीवरी बनाए रखी। उसने पांच किलोग्राम के 31,786 सिलेंडर और दो किलोग्राम के 2,383 सिलेंडर के फ्री ट्रेड एलपीजी वितरित किए। एचपीसीएल ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनज़र सभी ग्राहकों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि घरेलू एलपीजी आपूर्ति स्थिर, पर्याप्त और कड़ी निगरानी में बनी हुई है। एलपीजी वितरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उसने कहा कि ग्राहकों को रिफिल बुकिंग के लिए आईवीआरएस, एसएमएस, मिस्ड कॉल, एचपी पे और वॉट्सऐप जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिसमें से लगभग 94 प्रतिशत बुकिंग पहले ही इन चैनलों के जरिए की जा रही है। डिलीवरी डीएसी/ओटीपी-आधारित प्रमाणीकरण से सुरक्षित की जा रही है। एचपीसीएल अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, वेब पोर्टल और टोल-फ्री नंबर (1800-2333-555) के जरिए ग्राहकों की समस्याओं का समाधान कर रहा है। ग्राहक शीघ्र सहायता के लिए एमवाईएचपीगैस.इन पर भी जा सकते हैं।

एचपीसीएल ने भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए औचक निरीक्षण की प्रक्रिया सख्त कर दी है। उसने 4,028 से ज्यादा निरीक्षण किए हैं, जिसमें 53 वितरकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इनमें 20 डिस्ट्रीब्यूटरशिप के निलंबन भी शामिल हैं।

राहुल गांधी ने नकली दवा मामले में राजग पर निशाना साधा

पुडुचेरी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को पुडुचेरी की एआईएनआरसी-भाजपा सरकार पर कथित नकली दवा उत्पादन को लेकर तीखा हमला बोला और कहा कि यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि एक जानलेवा कृत्य है, क्योंकि ये नकली दवाएं पूरे देश में पहुंचाई गईं।

आगामी नौ अप्रैल को होने वाले पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए यहां एक रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि सत्ता में आने के छह महीने के भीतर ही पुडुचेरी में स्थानीय निकाय चुनाव करवाए जाएंगे।

उन्होंने आरोप लगाया, ''आज पुडुचेरी नकली दवाओं के मामले में सबसे आगे है; यहां बड़े पैमाने पर नकली दवाएं बनाई जा रही हैं, लेकिन केंद्र शासित प्रदेश की सरकार इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।'' कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि नकली दवा बनाना सिर्फ भ्रष्टाचार का मामला नहीं है, बल्कि यह एक तरह की ''हत्या'' है, क्योंकि ये नकली दवाएं पूरे देश में पहुंचाई गईं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हर कोई इस बात से वाकिफ है कि इस केंद्र शासित प्रदेश में दिए जाने वाले सभी ठेकों पर ''30 प्रतिशत कमीशन'' लिया जा रहा है।

सेलम के एडप्पाडी विधानसभा क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल करते हुए अन्नाद्रमुक महासचिव एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी।

अन्नाद्रमुक के पूर्व मंत्री एसपी वेलुमणि ने थोंडामुथुर विधानसभा क्षेत्र अपना नामांकन भरा। इस मौके पर भाजपा के पूर्व राज्याध्यक्ष अन्नामलाई उपस्थित थे।

अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी और अन्य नेताओं ने अंतिम दिन नामांकन पत्र दाखिल किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एल. मुरुगन, तमिलिसई सौंदरराजन, वी. श्रीनिवासन और डीएमडीके नेता प्रेमलता विजयकांत तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल करने वाले प्रमुख नेताओं में शामिल थे। सोमवार को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने भी विरुधुनगर जिले के सत्तूर विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया।

अन्नाद्रमुक महासचिव एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ने अपने गृह जिले सेलम के एडप्पाडी विधानसभा क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल किया, जहां से वे पहले पांच बार चुनाव जीत चुके हैं।

आज अपने नामांकन पत्र दाखिल करने वाले अन्य प्रमुख व्यक्तियों में वेल्लोर जिले के कटपडी से राज्य के जल संसाधन मंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ महासचिव दुरईमुरुगन, कुड्डालोर जिले के वृधाचलम से डीएमडीके महासचिव प्रेमलता विजयकांत, धर्मपुरी से पीएमके नेता अंबुमणि रामदास की पत्नी सौम्या अंबुमणि और तिरुचिरापल्ली के लालगुडी से लॉटरी कारोबारी सैंटियागो मार्टिन की पत्नी लीमा रोज शामिल हैं।

भाजपा और कांग्रेस के बड़ी संख्या में वे उम्मीदवार भी निर्वाचन अधिकारियों के कार्यालयों में पहुंचे और अपने नामांकन पत्र दाखिल किए, जिनके नाम उनकी संबंधित पार्टियों द्वारा पिछले सप्ताह घोषित किए गए थे। यह प्रक्रिया 30 मार्च को शुरू हुई थी। सात अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच और 9 अप्रैल को यदि कोई नाम वापस लिया गया हो तो उसकी पुष्टि के बाद, निर्वाचन आयोग द्वारा उम्मीदवारों की अंतिम सूची घोषित की जाएगी। मतदान 23 अप्रैल को निर्धारित है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

फिल्म निर्देशक सीमा के नेतृत्व वाली 'नाम तमिलर काची' पार्टी के सदस्यों ने राज्य भर में सभी 234 निर्वाचन क्षेत्रों से अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, उपमुख्यमंत्री एवं उनके पुत्र उदयनिधि, टीवीके प्रमुख और अभिनेता एवं नेता विजय, सीमन और कई अन्य नेताओं ने पिछले सप्ताह अपने नामांकन पत्र दाखिल किए थे।

निर्दलीय उम्मीदवारों सहित 3,700 से अधिक उम्मीदवारों ने अब तक 234 सीट से अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा उम्मीदवारों की अंतिम संख्या आज बाद में अद्यतन की जाएगी।

कानपुर सेन्ट्रल से एसएमवीटी बेंगलूरु के विशेष ट्रेन की आठ सेवाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञिप्त के अनुसार उत्तर मध्य रेलवे ने विशेष ग्रीष्म ऋतु के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन संख्या 04131/04132 कानपुर सेंट्रल-एसएमवीटी बेंगलूरु-कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस चलाने की घोषणा की है।

ट्रेन संख्या 04131 कानपुर सेंट्रल - एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस यह विशेष ट्रेन की आठ सेवाएं 5 अप्रैल से 24 मई तक प्रत्येक रविवार को कानपुर सेंट्रल से 16:30 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 18:30 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी।

वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 04132 एसएमवीटी बेंगलूरु-कानपुर सेंट्रल अभिव्यक्त करना यह विशेष ट्रेन 8 अप्रैल से 27 मई तक प्रत्येक बुधवार को बुधवार एसएमवीटी बेंगलूरु से सुबह 7:10 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर सुबह 3:45 बजे पहुंचेगी।

ट्रेन में एक एसी टू टियर कोच, दो एसी थ्री टियर कोच, नौ स्लीपर क्लास कोच, नौ जनरल सेकंड क्लास कोच और दो सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) होंगे।

कोयंबटूर उत्तर में भाजपा विधायक वनाथी श्रीनिवासन ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया।

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने सत्तूर से अपना नामांकन दाखिल किया, उनके साथ केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी नेताओं ने नामांकन के अंतिम दिन पर्चे भरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आगामी विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन सोमवार को भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने पूरे तमिलनाडु में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने अविनाशी से अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी भी मौजूद रहे। एक और अहम घटनाक्रम में तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, जिससे पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से उन्हें मजबूत समर्थन मिलने का संकेत मिला। कोयंबटूर उत्तर में भाजपा विधायक वनाथी श्रीनिवासन ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई के समर्थन के बीच अपना नामांकन दाखिल किया। उनकी मौजूदगी ने पार्टी का प्रमुख शहरी निर्वाचन क्षेत्रों को अपने पास बनाए रखने पर जोर देने को रेखांकित किया।

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने सत्तूर से अपना नामांकन दाखिल किया, उनके साथ केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद रहे। कई निर्वाचन क्षेत्रों में राष्ट्रीय नेताओं की समन्वित भागीदारी ने राज्य में अपनी संगठनात्मक ताकत और चुनावी गंभीरता को प्रदर्शित करने के भाजपा के इरादे को उजागर किया।

नामांकन दाखिल करने वाले अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में नागरकोइल से एमआर गांधी, विलावन्कोड से एस विजयधारानी और मदुरै दक्षिण से रामा श्रीनिवासन शामिल थे। नामांकन दाखिल करने के हर मौके पर वरिष्ठ नेता और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिससे ये कार्यक्रम छोटे-मोटे राजनीतिक जमावड़ों में बदल गए।

पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं की मजबूत मौजूदगी इस बात को दर्शाती है कि भाजपा तमिलनाडु में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए जोरदार प्रयास कर रही है। यह एक ऐसा राज्य है जहां उसे पारंपरिक रूप से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा है।

इस बीच, डीएमडीके की महासचिव प्रेमलता विजयकांत ने वृधाचलम से अपना नामांकन दाखिल किया। गठबंधन की उम्मीदों पर भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा कि पार्टनर्स के बीच मिलकर की गई कोशिशें और दिखने वाली एकता एक मजबूत चुनावी परफॉर्मेंस में बदलेगी।

देवेंद्र फडणवीस ने 'द्रमुक कुशासन' की आलोचना की, उन्हें तमिलनाडु में राजग सरकार बनने का है विश्वास

मदुरै। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पक्ष में बदलाव की बयार बह रही है और भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी एवं तमिलनाडु की सदियों पुरानी परंपरा की 'विरोधी' द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ेगा।

फडणवीस ने विश्वास व्यक्त किया कि इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के सहयोगियों के नेतृत्व में राजग राज्य में सरकार बनाएगा। फडणवीस ने यहां पत्रकारों से कहा, ''लोगों ने द्रमुक का कुशासन देख लिया है। द्रमुक मंत्रिमंडल के लगभग 75 प्रतिशत सदस्यों पर आपराधिक आरोप हैं और वे घोर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। राज्य की हालत बदतर होती जा रही है। महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और बच्चे सुरक्षित नहीं हैं।'' उन्होंने द्रमुक की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि पिछले चार वर्षों में बाल यौन शोषण के मामलों की संख्या दोगुनी हो गई है, मादक पदार्थों का खतरा बढ़ रहा है तथा लोगों को द्रमुक और इन अपराधियों के बीच मिलीभगत' नजर आ रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा, ''इसीलिए मुझे लगता है कि लोग राजग को सत्ता में लाकर द्रमुक को जवाब देंगे।'' वह मोदी की 'डबल इंजन' सरकार वाली टिप्पणी को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन द्वारा 'डब्बा इंजन' कहकर आलोचना किये जाने पर जवाब दे रहे थे। फडणवीस के अनुसार, द्रमुक शासन में जनता भारी कर्ज के बोझ तले दबी हुई है, जो 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है और जीडीपी अनुपात में कर्ज 33 प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया है, जिससे राज्य कर्ज के जाल' में फंस गया है। उन्होंने कहा, ''यह द्रमुक सरकार का कुशासन है।'' द्रमुक द्वारा त्रि-भाषा नीति के विरोध किये जाने पर फडणवीस ने कहा, ''हम सभी एक हैं। हमें अपनी भाषा पर गर्व होना चाहिए और साथ ही साथ अपने देश की अन्य भाषाओं का भी सम्मान करना चाहिए।'' कार्तिकई दीपम विवाद पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह (दीपक जलाने की) परंपरा बहुत पुरानी है और नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद शुरू नहीं हुई है। द्रमुक इसे क्यों रोकना चाहती है? द्रमुक सिर्फ वोट बैंक की राजनीति खेल रही है।

शाह ने भाजपा के स्थापना दिवस पर तिरुवनंतपुरम में फहराया पार्टी का झंडा

तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने सोमवार को पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर यहां भाजपा की केरल राज्य समिति कार्यालय में पार्टी का झंडा फहराया। मरारजी भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी के कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए। शाह चुनाव प्रचार के लिए रविवार को राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम पहुंचे थे।

संवाद — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को चेन्नई में पत्रकारों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल एवं अन्य।

पुडुचेरी चुनाव : राहुल गांधी और स्टालिन ने अलग-अलग चुनाव प्रचार किया, अटकलों का दौर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वरिष्ठ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक ही दिन पुडुचेरी में चुनाव प्रचार किया, लेकिन दोनों ने एक ही मंच साझा नहीं किया। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में प्रवेश करने के साथ ही इंडिया ब्लॉक के भीतर समन्वय को लेकर अटकलें तेज हो गईं।

राहुल गांधी सोमवार सुबह प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ एक विशेष विमान से दिल्ली से चेन्नई पहुंचे। दोनों नेता सुबह करीब 10 बजे चेन्नई हवाई अड्डे पर उतरे, जहां पूर्व तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष थंगाबालू और कृष्णासामी समेत वरिष्ठ तमिलनाडु कांग्रेस नेताओं और अन्य पार्टी पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। गौरतलब है कि तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष सेल्वपेरुथगई स्वागत समारोह में अनुपस्थित थे। वीआईपी लाउंज में कुछ देर रुकने के बाद राहुल गांधी सुबह करीब 10:30 बजे एक छोटे चार्टर्ड विमान से पुडुचेरी के लिए रवाना हुए, जहां उन्हें चुनावी कार्यक्रमों में भाग लेना था। उसी दिन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी केंद्र शासित प्रदेश में एक जनसभा को संबोधित किया।

हालांकि, दोनों वरिष्ठ नेताओं के एक साथ उपस्थित न होने से राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। पर्यवेक्षक इस बात पर बहस कर रहे हैं कि क्या यह पार्टी के अंदरूनी मतभेद का संकेत है या केवल रसद और समय-सारणी संबंधी बाधाओं को दर्शाता है।

राहुल गांधी केरल में अपने चुनावी अभियान के तहत आज बाद में कोच्चि के लिए रवाना होंगे। इसी बीच, प्रियंका गांधी ने अपना दौरा जारी रखते हुए उसी विमान से केरल के कन्नूर के लिए प्रस्थान किया, जिससे वे दिल्ली से आई थीं। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, असम और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही राजनीतिक दलों ने अपने जनसंपर्क प्रयासों को तेज कर दिया है।

केरल और पुडुचेरी में मतदान 9 अप्रैल को होना है, और चुनाव प्रचार मंगलवार शाम तक समाप्त होने वाला है, जिससे पार्टियां अंतिम चरण में अत्यधिक सक्रिय हो गई हैं।

चेन्नई में संक्षिप्त उपस्थिति के बावजूद, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी दोनों ने सोमवार को तमिलनाडु में कोई चुनावी कार्यक्रम आयोजित नहीं किया। कांग्रेस सूत्रों ने संकेत दिया है कि दोनों नेता आगामी दिनों में राज्य में लौटकर विशेष चुनावी गतिविधियों में भाग लेंगे, क्योंकि पार्टी इस महत्वपूर्ण दक्षिणी चुनावी क्षेत्र में अपने प्रयासों को तेज कर रही है।

सार्वजनिक सूचना

मेसर्स फर्स्टएनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय थर्मैक्स हाउस, 14 मुंबई-पुणे रोड, वाकडेवाड़ी, पुणे, महाराष्ट्र-411003, भारत में स्थित है, भारत सरकार के समक्ष आवेदन करने का इरादा रखती है कि उसे विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत विद्युत लाइनों या विद्युत संयंत्रों के स्थापना हेतु तथा विद्युत के प्रसारण के लिए या कार्यों के समुचित समन्वय के लिए आवश्यक दूरभाष या तार संचार उद्देश्यों के लिए, भारतीय तार अधिनियम, 1885 के अंतर्गत तार प्राधिकरण को प्राप्त शक्तियाँ प्रदान की जाएँ। उक्त शक्तियों के अंतर्गत, कंपनी द्वारा तार लाइनों एवं खंभों की स्थापना, जो सरकार द्वारा स्थापित या अनुरक्षित दूरसंचार प्रणाली के उद्देश्य से है या भविष्य में स्थापित/ अनुरक्षित की जानी है, के संबंध में सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, खड़ा करना तथा अन्य संबंधित कार्य किए जाएंगे। इसके उपरांत कमीशनिंग, संचालन एवं अनुरक्षण का कार्य निम्नलिखित ट्रांसमिशन योजना के लिए किया जाएगा:

ट्रांसमिशन योजना का नाम: मेसर्स फर्स्टएनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के 100 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजना, तिरुप्पुर, तमिलनाडु के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करने हेतु ट्रांसमिशन प्रणाली।

योजना के अंतर्गत आने वाली ट्रांसमिशन लाइन: मेसर्स फर्स्टएनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के जनरेशन पूलिंग स्टेशन (जनरेशन स्विचयार्ड कन्निवाडी गांव, तिरुप्पुरजिला, तमिलनाडु में स्थित) से करूर पीएस ((**ISTS** सब-स्टेशन) तक 230 केवी सिंगल सर्किट लाइन, मल्टी-सर्किट टावरों पर स्थापित लाइन की लंबाई लगभग **17-5** किमी है,।

उपरोक्त योजना के अंतर्गत आने वाली ट्रांसमिशन लाइन निम्नलिखित गाँवों, कस्बों एवं शहरों के बीच से, ऊपर से, आसपास से होकर गुजरेगी:

गांवों के नाम	तहसील	जिला	राज्य
कन्निवाडी (कन्नीवाड़ी), कधकोट्टइ (कधकोट्टई), नोचिवालसु, ओलाप्पालयम (ओलप्पलैयाम), एडक्कलपाडी (एडकलपडी), मुत्तुकवुंदनवलसु (मुत्तुक्कवुंदनवलासु), तलक्करई (तलक्कराइ), वडुगपट्टइ (वडुगपट्टी), वंजीवलसु (वनजीवलासु), कोल्लापट्टी, कुलदैकवुंदनवलसु (कुलदैकवुंदनवलासु), कुलक्कटुपति (कुलक्कट्टुपति), तुरंबाडी (तुरंबदी), पेरुमलकवुंदनवलसु (पेरुमलकवुंदनवलासु), पप्पवलसु (पप्पावलासु), कडक्कोट्टई पुलियामपट्टी (पुलियंपट्टी), चुन्नाम्बुकट्टुवलसु (चुन्नमबुकट्टुवलासु), नैनाकवुंदनवलसु, नट्टापालयम (नट्टपलायम), वट्टक्कलिवलसु (वट्टक्कलिवलासु), इल्लियामपट्टी (इलियामपट्टी), पम्मीपालयम (पम्मीपलायम), सक्करैवलस (सरक्कराईवलासु), मेर्कुपालयम (मेरकुपलायम),नचिपालयम, सम्बाक्कथुपति (संबक्कथुपति), मन्ननकट्टुपति (मन्ननकट्टुपति), एमजीआर नगर कॉलोनी (एमजीआरनगरकॉलोनी), मोंगनल्लमपालयम, उत्तमकवुंदनवलसु, पुदुकोलोनी (पुडुकोलोनी), मेट्टुपट्टी (मेट्टुपट्टी), पेरियान्नकवुंदनवलसु (पेरियानाकावुंदनवलासु), मुवेंद्रनगर, कोविलमेडू, कोविलपुदुर, मेर्कुपति (मेरकुपति), मूलानूर (मुलानुर), तट्टक्कट्टुवलसु (तत्तक्कट्टुवलासु), पुदुक्कोट्टइ, कुमारकवुंदनवलसु (कुमारकावुंदनवलासु), परक्कडई (परक्कड), नादुपति, चिन्नियाकवुनडनवालासु (चिन्नियाकवुंदनवलासु), वल्लियप्पनकवुंदनवलासु, गुरुनाथन्कोट्टइ (गुरुनाथनकोट्टइ)	धारापुरम	तिरुप्पुर	तमिलनाडु
नादुपति (नाडुप्पट्टी), चिन्नियाकवुनडनवालासु (चिन्नियाकवुंदनवलासु), नचिपालयम (नेट्टिचीपालयम)	उथुक्कुली	तिरुप्पुर	तमिलनाडु

प्रस्तावित मार्ग संरेखण की एक प्रति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। सामान्य जन को सूचित किया जाता है कि इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से दो माह के भीतर प्रस्तावित ट्रांसमिशन प्रणाली के संबंध में अपने आपत्ति/सुझाव लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत करें।

अधिक जानकारी एवं स्पष्टीकरण हेतु कृपया संपर्क करें: नाम - **वसुंधरा सेन,** पदनाम - हेड - **रेगुलेटरी एवं पॉलिसी, फर्स्ट एनर्जी प्रा. लि.**
पता - थरमैक्स हाउस, 14 मुंबई-पुणे रोड, वाकडेवाड़ी, पुणे, महाराष्ट्र -411003 ईमेल - vasundhara.sen@thermaxglobal.com फोन -91 9604035720

वफ़ादारों को मिले सम्मान, अवसरवादियों को नहीं : वसुन्धरा राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने कार्यकर्ताओं और संगठन की निष्ठा को लेकर महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजनीतिक नियुक्तियों और महत्वपूर्ण पदों पर केवल उन कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए जो मूल रूप से भाजपा की विचारधारा के प्रति वफादार रहे हैं। अपने 46 साल के राजनीतिक सफर का अनुभव साझा करते हुए श्रीमती राजे ने कहा कि इस लंबी अवधि में पार्टी ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। उन्होंने कहा, कई लोग भाजपा में आए और कई चले गए। कई लोगों ने दल बदला, तो कई लोगों ने दिल बदला। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो दल तो बदल लेते हैं, पर उनकी मानसिकता और दिल नहीं बदलता। उन्होंने जोर दिया कि जो लोग केवल अवसर की तलाश में आते हैं, उन्हें महत्वपूर्ण दायित्व नहीं दिए जाने चाहिए। निष्ठावान कार्यकर्ताओं का हो सम्मान : श्रीमती राजे ने संगठन की मजबूती के लिए मूल विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ताओं की वकालत की। उन्होंने कहा विचारधारा ही सर्वोपरि : जो कार्यकर्ता पार्टी की मूल विचारधारा से जुड़े हैं और जिन्होंने कठिन समय में संघर्ष किया है, उन्हें ही राजनीतिक नियुक्तियाँ मिलनी चाहिए।

संगठन के प्रति समर्पण और निष्ठा रखने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मान देना जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सीख देते हुए कहा कि पद के लिए काम न करें; यदि आप निष्ठा से काम करेंगे, तो पद स्वयं आपके पास आएगा। उन्होंने राजमाता विजयाराजे सिंधिया का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे उन्होंने पार्टी की कमान संभालने के प्रस्ताव को सहजता से मना कर दिया था।

श्रीमती राजे ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, राजमाता विजयाराजे सिंधिया और भैरों सिंह शेखावत जैसी महान विभूतियों का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि इन महापुरुषों ने संघर्ष के तूफानों के बीच जिस संगठन रूपी दीप को जलाया था, उसे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व स्तर पर प्रकाशमान किया है। उन्होंने राजस्थान में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों की भी सराहना की।

स्थापना दिवस के इस गरिमामयी कार्यक्रम में प्रदेश की राजनीति के कई दिग्गज मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से मदन राठौड़ (प्रदेशाध्यक्ष), प्रेम चंद बैरवा (उप मुख्यमंत्री), घनश्याम तिवाड़ी (राज्यसभा सांसद), डॉ. किरोड़ी लाल मीणा (कृषि मंत्री), जोगाराम पटेल (संसदीय कार्यमंत्री), डॉ. मंजू बाघमार (महिला एवं बाल विकास मंत्री), मंजू शर्मा (सांसद), विधायक बाल मुकंदाचार्य और गोपाल शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा राष्ट्रहित और सेवा की भावना के साथ काम करने वाली पार्टी : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रहित और सेवा की भावना के साथ काम करने वाली पार्टी है। शर्मा ने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच रहकर काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि हमें भाजपा को 'अजेय' पार्टी बनाना है। शर्मा भाजपा के स्थापना दिवस के मौके पर यहां पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

पार्टी प्रवक्ता के अनुसार शर्मा ने कहा भाजपा राष्ट्रहित, विकास और सेवा की भावना के साथ कार्य करने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और सेवा के कारण ही पार्टी आज देश ही नहीं बल्कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित हुई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'केंद्र और राज्य में हमारी सरकार है। हमें जनता के बीच में रहकर काम करना है और हमारी पार्टी को अजय बनाना है।' उन्होंने कहा,'पूरी ताकत के साथ जनता के बीच में रहकर हमें काम करना है।'

शर्मा ने पार्टी के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि जनसंघ से प्रारंभ हुआ यह सफर कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हमारी नीति में राष्ट्र सर्वोपरि है, उसके बाद पार्टी का स्थान है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी के इतिहास और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा ने सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है। उन्होंने संगठन की मजबूती को पार्टी की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं से पूरी ऊर्जा के साथ जुटने का आग्रह किया।

राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा देशभर में विकास एवं सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को सुदृढ़ कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकारें देश और प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही हैं तथा भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत बना रही हैं। शर्मा व राठौड़ ने पार्टी का झंडा फहराया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं से जनता के बीच रहकर काम करने का आह्वान करते हुए सोमवार को कहा कि हमें भाजपा को 'अजेय' पार्टी बनाना है। शर्मा भाजपा के स्थापना दिवस के मौके पर यहां पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, केंद्र और राज्य में हमारी सरकार है। हमें जनता के बीच में रहकर काम करना है और हमारी पार्टी को अजेय बनाना है। उन्होंने कहा कि हमें पूरी ताकत के साथ जनता के बीच में रहकर काम करना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा व पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी का झंडा भी फहराया।

बारिश व ओलावृष्टि का नया दौर शुरू होने की चेतावनी

जयपुर। राजस्थान में सोमवार से तेज आंधी व बारिश के साथ साथ ओलावृष्टि का नया दौर शुरू हो सकता है। मौसम विभाग ने किसानों से खुले में पड़ी फसल को ढककर रखने की सलाह दी है ताकि संभावित नुकसान से बचा जा सके। मौसम केंद्र के अनुसार, आज छह अप्रैल को जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के जिलों में दोपहर बाद एक नया मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इसके असर से राज्य के कुछ भागों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने, बारिश होने तथा कहीं-कहीं ओलावृष्टि का नया दौर शुरू होने की पूरी संभावना है।

वहीं सात अप्रैल को विक्षोभ का सर्वाधिक असर रहेगा। इससे जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलेगी व कहीं-कहीं ओलावृष्टि हो सकती है। कई जगह मध्यम से तेज बारिश भी होगी।

इस दौरान बीकानेर संभाग, शेखावाटी क्षेत्र व आसपास के कुछ भागों में 20 से 50 मिलीमीटर तक बारिश हो सकती है। आठ अप्रैल को बीकानेर, जयपुर, भरतपुर संभाग के उत्तरी भागों में कहीं-कहीं हल्की मध्यम बारिश होने व शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने का अनुमान है। हालांकि नौ अप्रैल से आगामी 3-4 दिन अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहेगा व तापमान में 2-3 डिग्री बढ़ोतरी होगी।

फिजियोथेरेपिस्ट चिकित्सा को केवल उपचार नहीं, बल्कि सेवा और साधना का माध्यम बनाएं : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि फिजियोथेरेपिस्ट भारत की प्राचीन चिकित्सा विज्ञान और पद्धति की मूल जड़ों को पहचानने का प्रयास करें। साथ ही चिकित्सा को केवल उपचार नहीं, बल्कि सेवा और साधना का माध्यम बनाएं। देवनानी जयपुर के बिरला सभागार में राजस्थान फ़िजियो समिट - 2026 का मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन करते हुए समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। फ़िजियोथेरेफी से फ़िजियोपैथी विषय पर आयोजित इस दो दिवसीय सेमिनार में देश के 30 विश्वविद्यालयों के 2000 से अधिक संभागी भाग ले रहे हैं।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि आज फिजियोथेरेपी जिस समग्र दृष्टिकोण की बात कर रही है, वह हमारे ऋषियों ने हजारों वर्ष पहले स्थापित कर दिया था। हमारे शास्त्रों में प्राण, नाड़ी, चक्र, संतुलन, ऊर्जा प्रवाह इन सभी का वर्णन मिलता है। यह वही अवधारणाएँ हैं जिन्हें आज दुनिया न्यूरो रिहैबिलिटेशन, माइंड-बॉडी कनेक्शन और फंक्शनल रिकवरी के नाम से जान रही है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि हम सब मिलकर इस यात्रा को आगे बढ़ाएं उपचार से समझ तक, समझ से चेतना तक और यह चेतना मानवता तक आगें बढ़े इसका प्रयास करें।

देवनानी ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरूआत करवा कर न केवल भारत की स्वास्थ्य परंपरा के समन्वय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया हैं बल्कि इसे वैश्विक पहचान भी दिलाई है। आज विश्व के सभी देश चाहें वे किसी भी धर्म के अनुयायी हों अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अपना रहें है।

देवनानी ने कहा कि भारत ज्ञान का भण्डार है। हम विश्व गुरू हैं लेकिन हमारा उद्देश्य कभी जोर जबरदस्ती से अपना साम्राज्य बढ़ाना नहीं बल्कि सारे विश्व का मार्गदर्शक बनना है और हम इस भूमिका का सदा निर्वहन करते आ रहें हैं और आगे भी हमेशा करते रहेंगे। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि राजस्थान फिजियो समिट 2026 उस परिवर्तन का प्रतीक है, जहाँ चिकित्सा केवल शरीर के उपचार तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि वह मनुष्य के सम्पूर्ण अस्तित्व को समझने की दिशा में आगे बढ़ती है। फिजियोथेरेपी का वास्तविक स्वरूप केवल व्यायाम या पुनर्वास नहीं है, बल्कि यह शरीर की भाषा को समझने का विज्ञान है। जब शरीर दर्द के माध्यम से संकेत देता है, तो फिजियोथेरेपी उस संकेत को सुनती भी है और समझती भी है।

विधानसभा अध्यक्ष ने फिजियो विद्यार्थियों से कहा कि आप केवल एक पेशा नहीं चुन रहे, बल्कि एक दृष्टिकोण का निर्माण कर रहे हैं। जब आप किसी रोगी का उपचार करें, तो उसे केवल एक केस के रूप में न देखें, बल्कि एक जीवित चेतना के रूप में देखें। फ़िजियोथेरेफी में पीजी संकाय खोलने की मांग का उत्तर देते हुए विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि इसके लिए सतत और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है ।

व्यवस्थित टू डू लिस्ट बनाकर समयबद्ध रूप से कार्य संपादित करें अधिकारी : समित शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां डॉ. समित शर्मा ने निर्देश दिए कि विभाग में कार्यरत सभी अधिकारी आगामी दिनों में किए जाने वाले कार्यों की व्यवस्थित टू डू लिस्ट तैयार करें एवं सूची में शामिल कार्यों को समयबद्ध रूप से संपादित करें। डॉ. शर्मा सोमवार को नेहरू सहकार भवन में विभागीय अधिकारियों द्वारा तैयार की गई टू डू लिस्ट के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी अनुभागों के प्रभारी अधिकारियों व अन्य अधिकारियों के साथ सूची में शामिल किये गए कार्यों के संबंध में गहनता से चर्चा की और निर्देश दिए कि टू डू लिस्ट में किए जाने वाले कार्य के साथ इस संबंध में अब तक की प्रगति, फ्यूचर प्लान ऑफ एक्शन और कार्य को पूरा होने में लगने वाले संभावित समय का भी आवश्यक रूप से उल्लेख करें। उन्होंने कहा कि व्यवस्थित टू डू लिस्ट तैयार होने से अधिकारी अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट रहेंगे और कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने का प्रयास करेंगे।

शासन सचिव ने निर्देश दिए कि आगामी दिनों में संपादित किए जाने वाले कार्यों की सूची में मुख्य कार्यों के साथ ही उप कार्यों का भी उल्लेख किया जाए। साथ ही, रूटीन में किए जाने वाले कार्यों के अतिरिक्त यदि किसी नवीन कार्य की पहल की जानी है तो उसे भी टू डू लिस्ट में शामिल किया जाए। अधिकारियों को पहले से आवंटित कार्यों और टू डू लिस्ट में शामिल कार्य अलग-अलग होने चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यवस्थित टू डू लिस्ट तैयार हो जाने से यह ज्ञात रहेगा कि किस अधिकारी द्वारा क्या कार्य किए जा रहे हैं। टू डू लिस्ट की नियमित रूप से समीक्षा की जाएगी और कार्यों की प्रगति के आधार पर अधिकारियों को ग्रेड दी जाएगी। अधिकारियों की वार्षिक कार्य मूल्यांकन रिपोर्ट का आधार भी यही ग्रेड रहेगी। शासन सचिव ने यह भी निर्देश दिए कि वरिष्ठ अधिकारी टू डू लिस्ट की नियमित रूप से अनुभाग के स्तर पर भी समीक्षा करें।

भाजपा सरकार की उदासीनता के कारण 'राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट' का निर्माण अधर में : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि जोधपुर में प्रस्तावित 'राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट' का निर्माण भाजपा सरकारों (केंद्र और राज्य) की उदासीनता के कारण विलंबित हो गया है। उन्होंने परियोजना को शीघ्र पूरा करने की अपील की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत ने एक बयान में कहा कि यह संस्थान राजस्थान के युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और साइबर सुरक्षा जैसी उभरती तकनीकों में विश्वस्तरीय प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से परिकल्पित किया गया था, जिसकी नींव उनके कार्यकाल में रखी गई थी।

उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संस्थान, जिसे मार्च 2024 तक पूरा होना था, अब राज्य सरकार की निष्क्रियता के कारण अधर में लटका हुआ है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र ने पहले वित्त आयोग की सिफारिशों के बावजूद 400 करोड़ रुपये की राशि देने से इनकार कर दिया था और वर्तमान राज्य सरकार ने परियोजना की गति धीमी कर दी है। गहलोत ने कहा कि जनकल्याणकारी परियोजनाओं में राजनीतिक कारणों से बाधा नहीं आनी चाहिए क्योंकि इससे राज्य की प्रगति और युवाओं के कौशल विकास पर असर पड़ता है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से कार्य को तेज करने और संस्थान को जल्द शुरू कराने की अपील की, ताकि राज्य के युवा तेजी से बदलती तकनीकों के साथ कदम मिला सकें। 'राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट' को राजस्थान में कौशल विकास और तकनीकी क्षेत्र में रोजगार अवसरों को मज़बूत करने की एक बड़ी पहल के रूप में प्रस्तावित किया गया था।

आबकारी आयुक्त ने ली समीक्षा बैठक, कार्य का समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

जयपुर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि प्रदेश सरकार की अपेक्षा के अनुरूप विभागीय कार्यों का समयबद्ध सीमा में समन्वय से निस्तारण किया जाना चाहिए। राजकीय दायित्व के निर्वहन में किसी भी प्रकार की कोताही नही होनी चाहिए। विभागीय लक्ष्य व कार्य अनुशासन सहित टीम भावना से पूर्ण किए जाने चाहिए। मेहता सोमवार को आबकारी मुख्यालय उदयपुर के सभागार में विभिन्न अनुभागों के अधिकारियों एवं कार्मिकों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के रेवेन्यू में आबकारी विभाग का अहम स्थान है अत: वित्तीय लक्ष्यों की पूर्ति सहित समस्त आवश्यक कार्यों को समयावधि में पूर्ण किया जाना चाहिए। बैठक में विभिन्न अनुभागों के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने अपना परिचय देते हुए प्रदत्त दायित्व एवं कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस मौके पर बंदोबस्त, आईटी, अभियोग, ईपीएफ, सामान्य प्रशासन, संस्थापन, लीगल, होलोग्राम, कन्ट्रोल रूम, आरटीआई, लेब, लेखा, एपीएआर, पॉलिसी सहित विभिन्न अनुभागों के अधिकारियों ने संबंधित कार्य के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए आवश्यकताओं से अवगत कराया।

आबकारी आयुक्त मेहता ने समस्त अधिकारियों को समन्वय से कार्य करने के निर्देश देते हुए आवश्यक सुझाव भी आमंत्रित किए जिससे राजकीय कार्यों के निस्तारण में समयबद्धता बनी रहे।

साइबर सुरक्षा पर विशेष फोकस, स्कूलों में लगेंगी 'कोर्ट वाली दीदी' शिकायत पेटियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता, संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति समझ विकसित करने के उद्देश्य से राज्यव्यापी अभियान Transformative Tuesdays: Navigating Life Legally संचालित किया जा रहा है। सदस्य सचिव श्री हरिओम अत्री ने बताया कि यह अभियान माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश श्री संजीव प्रकाश शर्मा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से प्रारंभ किया गया है। अभियान का लोकार्पण माननीय उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति श्री सूर्यकांत द्वारा दिनांक 20 फरवरी को साइबर लॉ विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस के अवसर पर किया गया था, जबकि अभियान का प्रदेशव्यापी क्रियान्वयन दिनांक 7 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया जा रहा है।

सदस्य सचिव श्री अत्री ने बताया कि अभियान के अंतर्गत प्रदेश के लगभग 1400 न्यायिक अधिकारी (जिला न्यायाधीश से लेकर कनिष्ठ स्तर तक) चिन्हित 1400 विद्यालयों में विशेष विधिक जागरूकता सत्र आयोजित करेंगे। इन सत्रों के माध्यम से एक ही दिन में 4 लाख से अधिक विद्यार्थियों तक पहुँचकर उन्हें दैनिक जीवन से जुड़े कानूनों, संवैधानिक अधिकारों, विधिक सहायता, बाल अधिकार, महिला अधिकार, साइबर अपराध से बचाव तथा जिम्मेदार नागरिकता जैसे विषयों पर व्यवहारिक जानकारी प्रदान की जाएगी।

यह पहल विद्यार्थियों को विधिक रूप से जागरूक बनाने के साथ-साथ उनमें उत्तरदायित्व एवं विधि के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान हेतु विद्यालयों में 'कोर्ट वाली दीदी' नामक विशेष शिकायत एवं सुझाव पेटियां स्थापित की जाएंगी, जिनके माध्यम से विद्यार्थी अपनी किसी भी विधिक समस्या, शिकायत या जिज्ञासा को बिना पहचान बताए साझा कर सकेंगे। इन शिकायतों का परीक्षण कर आवश्यकतानुसार विधिक परामर्श एवं सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। वर्तमान समय की चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए अभियान में साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है।

विद्यार्थियों को साइबर बुलिंग, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग आदि विषयों पर जागरूक किया जाएगा तथा क्लिक करने से पहले सोचो थीम पर आधारित विधिक सामग्री एवं पुस्तिकाएं भी वितरित की जाएंगी।

जापानी पर्यटक से छेड़छाड़, पुलिस जांच में जुटी

जयपुर। जयपुर के आमेर इलाके में जापान की एक महिला पर्यटक से कथित तौर पर छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वह पूरे प्रकरण की जांच कर रही और आरोपियों की पहचान की कोशिश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक कथित घटना रविवार सुबह उस समय हुई जब महिला जयगढ़ किले घूमने गई थी और पास के मंदिर की ओर पैदल जा रही थी।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सुरेंद्र सिंह ने बताया कि महिला पर्यटक दो-तीन दिन पहले ही जापान से राजस्थान आई थी और किले के पास स्थित गणेश मंदिर की ओर जा रही थी। उन्होंने कहा, पांच लोगों ने सुनसान इलाके में उसे रोक लिया और उसके साथ बदतमीजी व छेड़छाड़ करने लगे।

अधिकारी ने बताया कि महिला ने शोर मचाया और वहां से भाग निकलने में कामयाब रही, वह दौड़कर पास में मौजूद सुरक्षा गार्ड के पास पहुंची। महिला को परेशान हालत में देखकर गार्ड ने तुरंत पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस की टीम फौरन मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि जैसे ही महिला ने मदद के लिए शोर मचाया और गार्ड वहां पहुंचा तो आरोपी भाग निकले। पुलिस ने बताया कि इलाके के सीसीटीवी फुटेज में पांच लोग संदिग्ध तरीके से पहाड़ी से नीचे उतरते दिखाई दे रहे हैं।

भाजपा की चार दशक से अधिक की यह यात्रा संघर्ष, तपस्या, त्याग और बलिदान की यात्रा : चौधरी

लखनऊ/भाषा। भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने पार्टी की स्थापना दिवस पर कहा कि भाजपा की चार दशक से अधिक की यह यात्रा संघर्ष, तपस्या, त्याग और बलिदान की यात्रा रही है। चौधरी ने पार्टी राज्य मुख्यालय में भाजपा के 47वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''यह सफलता किसी एक व्यक्ति या पद की नहीं, बल्कि लाखों-करोड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत, निष्ठा और राष्ट्रभक्ति का परिणाम है।'' उन्होंने कहा, ''आज का दिन केवल एक तिथि नहीं, बल्कि एक विचार, एक संकल्प और एक राष्ट्रनिष्ठ आंदोलन का प्रतीक है।

पत्रकारिता के विभिन्न आयामों में समन्वय आवश्यक: योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि पत्रकारिता के विभिन्न आयामों प्रिंट, विजुअल, डिजिटल व सोशल मीडिया के बीच परस्पर समन्वय होना आवश्यक है।

योगी आदित्यनाथ सोमवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''पत्रकारिता के विभिन्न आयामों प्रिंट, विजुअल, डिजिटल व सोशल मीडिया के बीच परस्पर समन्वय होना आवश्यक है। यदि किसी एक ही तथ्य को मीडिया के अलग-अलग आयाम भिन्न-भिन्न तरीके व दृष्टिकोण से प्रस्तुत करेंगे तो आम जन-मानस के सामने भ्रम की स्थिति उत्पन्न होगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''ऐसी स्थिति मीडिया के प्रति जन-विश्वास को भी प्रभावित करेगी। इसलिए यह आवश्यक है कि मीडिया के सभी अंग समान मानक, मूल्यों व आदर्शों के अनुरूप आगे बढ़ें।'' उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को आत्म-नियमन से मूल्यों व आदर्शों के साथ आगे बढ़ना है। भारत में 200 वर्ष की पत्रकारिता का मूलभाव राष्ट्र सेवा, समाज सेवा व 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का भाव रहा है। हमें इसी भाव के साथ आगे बढ़ना चाहिए।'' योगी ने कहा, ''मीडिया में एक ऐसा भी वर्ग है, जो समाज को गुमराह करके अशांति फैलाने का कार्य करता है। हमें मीडिया के ऐसे रूप से बचने की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''यदि सोशल मीडिया तथा प्रिंट मीडिया में एक ही खबर में भिन्नता होती है, तो वह जन-मानस को विचलित करती है। यह दुविधा की स्थिति खतरनाक होती है।'' उन्होंने कहा कि हमें प्रयास करना चाहिए कि ऐसी स्थिति नहीं हो। सरकार मूल्यों व आदर्शों पर आधारित पत्रकारिता के साथ सदैव खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र संवाद से चलता है। संवाद में आलोचना हो सकती है, किंतु इस आलोचना को व्यक्तिगत रंजिश नहीं मानना चाहिए। जब हम एक सूत्र की मनोस्थिति से कार्य करते हैं, तो सदैव सार्थक परिणाम सामने आते हैं। उन्होंने कहा, ''पत्रकारिता समाज का आईना होती है। पत्रकारिता जिस दृष्टि से समाज के मुद्दों को प्रस्तुत करती है, समाज उसी दृष्टि से उसे समझता है। पत्रकारिता को जन-विश्वास प्रतीक के रूप में बने रहने के लिए सही और गलत के प्रति एक भाव में रहना चाहिए। पत्रकारिता में किसी भी मुद्दे पर दो भाव नहीं होने चाहिए, क्योंकि तब यह जन-विश्वास पर कुठाराघात करता है।''

भाजपा की राजनीति 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत से प्रेरित : बाबूलाल मरांडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजनीति राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर आधारित है और पार्टी देश और जनता के हितों को प्राथमिकता देती है। मरांडी ने भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित 47वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एक मजबूत भाजपा ही एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकती है। उन्होंने कहा, भाजपा देश और उसकी जनता के लिए राजनीति करती है। 'राष्ट्र सर्वोपरि' का मंत्र हर पार्टी कार्यकर्ता की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने भारतीय जनसंघ से भाजपा तक के सफर को प्रेरणादायक और संघर्षों से ओतप्रोत बताया। उन्होंने कहा, जनसंघ और भाजपा के संघर्षपूर्ण सफर का उद्देश्य भारत को एक बार फिर 'विश्वगुरु' बनाने का रहा है। केवल एक मजबूत भाजपा ही एक शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण कर सकती है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर अपराधियों को रोकने के लिए सांप, मगरमच्छ छोड़ने की संभावना पर विचार

नई दिल्ली/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर नदियों वाले 'संवेदनशील' इलाकों में अवैध घुसपैठ और सीमा पार होने वाले अपराधों को रोकने के लिए मगरमच्छ और सांप छोड़ने की संभावना पर विचार कर रहा है। इस योजना पर नौ फरवरी को दिल्ली में बल के मुख्यालय में हुई एक बैठक में चर्चा की गई थी। इसके बाद, 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा पर तैनात स्थानीय इकाइयों से उनकी राय मांगी गई। गृह मंत्रालय द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार, इस सीमा का लगभग 856 किलोमीटर हिस्सा अभी भी बिना बाड़ के है, जिसका कारण घने जंगल और नदियों वाले इलाकों जैसी कठिन भौगोलिक परिस्थितियां हैं।

महिला आरक्षण को चुनावी मुद्दा बना रहे हैं प्रधानमंत्री, जनता करारा जवाब देगी : जयराम रमेश

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिला आरक्षण को चुनावी मुद्दा बना रहे हैं जिसका चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के चुनाव में जनता करारा जवाब देगी तथा भारतीय जनता पार्टी को नकारेगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी खुद महिला आरक्षण के मुद्दे पर 30 महीने बाद जागे हैं और अपने पहले के रुख से पलटी मार ली है। प्रधानमंत्री मोदी ने असम की एक चुनावी सभा में कहा कि संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के आम चुनावों से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''इस मुद्दे पर सभी दलों से चर्चा करने और इसे आगे बढ़ाने के लिए 16 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है। लेकिन कुछ लोग इस बारे में भी अफवाहें फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।'' प्रधानमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज असम में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक के लिए एकमत समर्थन की अपील की। इससे ज्यादा बोगस और क्या हो सकता है?''

असम के जोरहाट में राष्ट्रीय दलों का काफी कुछ लगा है दांव पर, पर चुनाव प्रचार यहां है गरिमापूर्ण

जोरहाट/भाषा। असम विधानसभा चुनाव में जोरहाट निर्वाचन क्षेत्र में भले ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच काफी कुछ दांव पर लगा है, लेकिन चुनाव प्रचार गरिमापूर्ण है। इस सीट पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई और भाजपा के वरिष्ठ मौजूदा विधायक हितेंद्र नाथ गोस्वामी के बीच सीधा मुकाबला है। इस निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार में आरोप-प्रत्यारोप गायब हैं। गोगोई और गोस्वामी दोनों ही मुख्य रूप से राजनीतिक रूप से जागरूक और सामाजिक-सांस्कृतिक रूप से अभिजात वर्ग के मतदाताओं से वोट मांगते हुए एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने से परहेज कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव में पहली बार उतर रहे गोगोई को कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में पेश किया है। वह अपने चुनाव प्रचार में दावा करते हैं कि वह महाभारत के 'अर्जुन' के समान हैं जबकि गोस्वामी 'भीष्म' हैं। कांग्रेस प्रत्याशी का कहना है कि उनका एकमात्र लक्ष्य मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली 'भ्रष्ट' भाजपा सरकार को सत्ता से हटाना है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के कोलकाता पर हमले की धमकी पर मोदी चुप क्यों हैं : अभिषेक बनर्जी

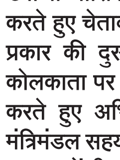

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बात को दोहराते हुए, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री द्वारा कोलकाता पर हमले की धमकी पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए चेतावनी दी थी कि भारत द्वारा ''भविष्य में किसी भी प्रकार की दुस्साहस'' की कोशिश का जवाब उनका देश कोलकाता पर हमला कर देगा। सिलीगुड़ी में रैली को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने प्रधानमंत्री और उनके वरिष्ठ मंत्रिमंडल सहयोगियों की चुप्पी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''केंद्रीय गृह मंत्री और रक्षा मंत्री इस धमकी पर चुप हैं। वह (आसिफ) पाक में बैठकर कोलकाता पर हमले की धमकी दे रहे हैं, जबकि मोदी कूचबिहार में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और लोगों से तृणमूल को सत्ता से हटाने की अपील कर रहे हैं।''

न्यायालय ने मालदा घटना की जांच की जिम्मेदारी एनआईए को सौंपी, बंगाल के मुख्य सचिव को फटकार

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अपनी पूर्ण एवं असीमित शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में जुटे सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव और हमले से संबंधित मामलों को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को स्थानांतरित कर दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में नौकरशाही की विश्वसनीयता कम की जा रही है और सचिवालय एवं सरकारी कार्यालयों में राजनीति घुसाई जा रही है। पीठ ने आदेश दिया कि राज्य पुलिस द्वारा मालदा घटना से जुड़े 26 गिरफ्तार व्यक्तियों से एनआईए द्वारा पूछताछ की जाए, भले ही वे न्यायिक हिरासत में क्यों न हों।

शीर्ष अदालत ने प. बंगाल के मुख्य सचिव दुश्यंत नरियाला को फटकार लगाई कि उन्होंने एक अप्रैल को कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की कॉल उस वक्त नहीं उठाई, जब न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया गया था। पीठ ने मुख्य सचिव से कहा कि उन्हें कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से कॉल न उठाने के लिए माफी मांगनी चाहिए और कहा कि यह जिला प्रशासन की विफलता को दर्शाता है।

समाजवादी सरकार बनने जा रही, इसलिए भाजपाई घबराये हुए हैं: अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नौज (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दावा किया कि अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी सरकार बनने जा रही है, इसलिए 'भाजपाई' घबराये हुए हैं।

यादव ने कहा कि ''संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण बचाने की जिम्मेदारी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की है।'' उन्होंने कहा, ''बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का संविधान, डॉ. राममनोहर लोहिया के सिद्धांत और नेताजी मुलायम सिंह यादव के संघर्ष के रास्ते पर समाजवादी पार्टी चल रही है।'' यादव ने कहा कि समाजवादी अन्याय के विरुद्ध डटकर मुकाबला करते हैं। संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए समाजवादी और पीडीए मिलकर लड़ेगा।'' लखनऊ में सपा के राज्य मुख्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि हम चाहते है जल्दी से जल्दी युद्ध खत्म हो। हम समाजवादी लोग युद्ध के खिलाफ रहे हैं। युद्ध खत्म होगा तो हमारी अर्थव्यवस्था जो खराब हो रही है वह सुधरेगी। उन्होंने कहा, ''युद्ध की वजह से गैस सिलेंडर के लिए लाइनें लग रही है। भाजपा सरकार खाली सिलेंडर तो दे सकती है लेकिन भरे सिलेंडर नहीं दे पा रही है।'' यादव ने कहा, ''जिस तरह से खाद की बोरी से खाद की चोरी कर ली वैसे ही गैस सिलेंडर नपवा लो तो वजन कम ही मिलेगा। सुना है किरोसिन बिकने लगा है। इंडक्सन प्लेटे बिकने लगी है। जिस समय चुनाव खत्म हो जाएगा डीजल-पेट्रोल की कीमते बढ़ जाएगी।''

बिहार में 'अच्छी खबर' की प्रतीक्षा में भाजपा: रविशंकर प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को कहा कि पार्टी बिहार में 'अच्छी खबर' की प्रतीक्षा कर रही है।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब जनता दल यूनाइटेड (जदयू) प्रमुख और सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। कुमार ने पिछले सप्ताह राज्य विधान परिषद की सदस्यता छोड़ दी थी और अगले कुछ दिनों में सांसद के रूप में उनके शपथ लेने की संभावना है।

पटना साहिब से लोकसभा सदस्य प्रसाद ने यह टिप्पणी भाजपा के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में की। भाजपा की युवा इकाई से 1980 के दशक में राजनीति शुरू करने वाले प्रसाद ने कहा, ''1984 के लोकसभा चुनाव में हम केवल दो सीटें जीत सके थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम लगातार मजबूत हुए हैं। हम बिहार में भी अच्छी खबर की उम्मीद कर रहे हैं।'' राजनीतिक हलकों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि 75 वर्षीय नीतीश कुमार अगले सप्ताह तक सत्ता की कमान छोड़ सकते हैं और पिछले वर्ष नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी भाजपा को अंततः बिहार में अपना मुख्यमंत्री मिल सकता है। हिंदी भाषी राज्यों में बिहार ही एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां भाजपा अब तक सरकार का नेतृत्व नहीं कर पाई है।

पूर्वोत्तर से प्यार करती है भाजपा : मणिपुर के मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 47वें स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए सोमवार को कहा कि पार्टी पूर्वोत्तर से प्यार करती है।

सिंह ने जिरिबाम जिले एवं असम के कछार के अपने तीन दिवसीय दौरे का समापन करने के बाद इंफाल लौटते समय नोनी जिले में भाजपा के स्थापना दिवस समारोह में हिस्सा लिया।

सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) की स्थापना किए जाने का जिक्र करते हुए कहा, ''भाजपा एक ऐसी पार्टी है, जो पूर्वोत्तर से प्रेम करती है।'' उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में घोषणा की थी कि मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता हमेशा बरकरार रखी जाएगी।

सिंह ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लिए अंतर-एशियाई राजमार्ग खोलने के उद्देश्य वाली 'एक्ट ईस्ट' नीति का श्रेय मोदी को दिया। मुख्यमंत्री ने मणिपुर के विकास में हरसंभव मदद का आश्वासन देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी धन्यवाद दिया।

इससे पहले, दिन में सिंह ने भाजपा की प्रदेश इकाई की अध्यक्ष ए. शारदा देवी के साथ नोनी कस्बे के 'लोंगमई कॉमन ग्राउंड' में पार्टी का झंडा फहराया। उन्होंने भाजपा के दो वैचारिक संस्थापकों दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि भी अर्पित की।

बंगाल चुनाव के लिए 3,000 और सशस्त्र कर्मियों की तैनाती करेगा निर्वाचन आयोग

कोलकाता/भाषा। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए अन्य राज्यों, मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश से 3,000 सशस्त्र पुलिस कर्मियों को तैनात करने का निर्णय लिया है। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को दी।

अधिकारी ने बताया कि ये सुरक्षा बल 23 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के चुनाव के लिए पहले से ही मौजूद केंद्रीय बलों की पर्याप्त उपस्थिति को और मजबूती प्रदान करेंगे।

अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''चुनाव की संवेदनशीलता को देखते हुए, अन्य राज्यों से लगभग 3,000 सशस्त्र पुलिस कर्मियों को मौजूदा बलों में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। अतिरिक्त बलों का एक बड़ा दल उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश से लिया जाएगा।'' उन्होंने बताया कि कर्मियों के 13 अप्रैल से चरणबद्ध तरीके से राज्य में पहुंचना शुरू होने की उम्मीद है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के साथ है भाजपा का 'गुप्त समझौता' : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेथुयाडहरी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कांग्रेस और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के साथ 'गुप्त समझौता' करने का आरोप लगाया।

इसके साथ ही बनर्जी ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल के कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को चुनाव पर्यवेक्षकों के रूप में तमिलनाडु भेजा गया है, जिससे प्रदेश में विकास कार्यों में बाधा हो रही है। उन्होंने दावा किया कि वैसे तो पांच राज्यों में एक साथ चुनाव हो रहे हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में करीब 500 अधिकारियों का तबादला कर दिया है, जबकि चुनाव वाले अन्य राज्यों में मुट्ठी भर अधिकारियों का ही तबादला किया गया है।

बनर्जी ने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद वह भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता बनाने के लिए देशभर का दौरा करेंगी। नदिया जिले में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल कैडर के कई अधिकारियों को तमिलनाडु में पर्यवेक्षक के रूप में भेजा है। उन्होंने आरोप लगाया, ''आपकी (भाजपा की) कांग्रेस और स्टालिन के साथ गुप्त रूप से मिलीभगत होगी।'' उन्होंने दावा किया, वे (भाजपा के नेता) पश्चिम बंगाल में अपने अधिकारियों को प्रमुख पदों पर नियुक्त कर रहे हैं ताकि उनकी आवाजाही सुचारू हो सके।

तमिलनाडु में मुख्य मुकाबला द्रमुक के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के बीच है। एसपीए में कांग्रेस, डीएमडीके और वीसीके भी हैं। राज्य में राजग का अगुवा ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) है तथा भाजपा, पीएमके, एएमएमके और अन्य दल उसके अन्य सदस्य हैं।

बनर्जी ने कहा कि बंगाल विधानसभा चुनाव जीतने के बाद तृणमूल दिल्ली में भाजपा को निशाना बनाएगी और जरूरत पड़ने पर वह इसके लिए सभी दलों को साथ लेगी। उन्होंने कहा, ''विपक्षी एकता को मजबूत करने के लिए मैं देशभर का दौरा करूंगी।''

अमित शाह घुसपैठियों की सिर्फ बातें करते हैं, उन्हें देश से बाहर नहीं निकालते : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलचर (असम)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को भाजपा, विशेष रूप से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोला।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार में 10 साल से अधिक समय तक रहने के बावजूद भाजपा घुसपैठ के मुद्दे को केवल उठा रही है, लेकिन अवैध प्रवासियों को बड़ी संख्या में वापस भेजने में विफल रही है। खरगे ने कछार जिले के बोरखोला में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह भी आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव जीतने के प्रयास में असम में परिसीमन प्रक्रिया का दुरुपयोग किया है। उन्होंने कहा, जब अमित शाह यहां आते हैं, तो वे सिर्फ बांग्लादेशी घुसपैठियों की बात करते हैं। लेकिन भाजपा इन घुसपैठियों को बाहर नहीं निकालती, बल्कि उन्हें पालती-पोसती है। वह सिर्फ इनके नाम पर राजनीति करती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा 10 साल से केंद्र और असम में सत्ता में है, लेकिन वह घुसपैठियों को नहीं निकाल सकी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान, 2005 से 2013 के बीच 88,792 अवैध प्रवासियों को देश से निर्वासित किया गया था। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने आरोप लगाया, लेकिन नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में, 2014 से 2019 के बीच केवल 2,566 लोगों को ही निकाला गया। भाजपा, नरेन्द्र मोदी और अमित शाह सिर्फ चुनावी वादे करते हैं; वे वास्तविकता में कुछ नहीं करते। खरगे ने असम में चुनाव जीतने के प्रयास के तहत परिसीमन प्रक्रिया का कथित तौर पर दुरुपयोग करने के लिए भी भाजपा की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि परिसीमन प्रक्रिया के दौरान, मुसलमानों को उन क्षेत्रों से हटा दिया गया, जहां वे बहुसंख्यक थे, जबकि अन्य लोगों को शामिल किया गया। उन्होंने दावा किया, जिन क्षेत्रों में दलित और आदिवासी अधिक थे, वहां अन्य वर्गों के लोगों को शामिल किया गया।

चेन्नई | मंगलवार | 07-04-2026 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुविचार

विज्ञान हमें सोचना सिखाता है, लेकिन धर्म और नैतिकता हमें जीना सिखाते हैं। दोनों का संतुलन अनिवार्य है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दूसरा वियतनाम न बन जाए ईरान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शब्दों की मर्यादा भूलते जा रहे हैं। वे ईरान को धमकाने के लिए सोशल मीडिया पर जो सामग्री पोस्ट कर रहे हैं, वह किसी महान लोकतंत्र का नेतृत्व करने वाले राष्ट्रपति की तो बिल्कुल नहीं लगती। उन्होंने मंगलवार को 'पावर प्लांट डे' और 'ब्रिज डे' बताकर अपने इरादे पहले ही जाहिर कर दिए हैं। वास्तव में ट्रंप इस युद्ध में बुरी तरह फंसते जा रहे हैं। उन्हें बाहर निकलने का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा है। अगर वे ईरान के महत्त्वपूर्ण पावर प्लांट और पुलों को नष्ट करेंगे तो होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने की संभावनाओं को ध्वस्त कर देंगे। ईरान को भारी नुकसान हो चुका है। उसके तत्कालीन सर्वोच्च नेता से लेकर कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मारे गए हैं। अरबों डॉलर की सार्वजनिक संपत्ति नष्ट हो चुकी है। हजारों आम नागरिकों की मौत हो गई है। अब यह सैन्य अभियान बंद होना चाहिए, क्योंकि इसका असर अन्य देशों पर पड़ रहा है। अमेरिका और इज़राइल के लिए दुश्मनी को ईरानी नेतृत्व हवा दे रहा था। उसके लिए आम ईरानी को सजा क्यों दी जाए? वह तो पहले ही सरकारी अत्याचार और महंगाई से त्रस्त है। अगर ट्रंप यह सोच रहे हैं कि पावर प्लांट उड़ा देने से ईरानी नेतृत्व तुरंत घुटनों पर आ जाएगा, तो ऐसा नहीं है। इससे सबसे ज्यादा दिक्कत आम जनता को होगी। ईरानी सरकार और सेना के पास तेल के भंडार हैं। उन्होंने पहले ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था कर ली होगी। ट्रंप सोच रहे हैं कि वे मौत का डर दिखाकर ईरान को झुका देंगे। यह डर काम करता है, लेकिन एक हद तक। जब लोगों के घर तबाह हो जाएंगे, उनके परिजन मारे जाएंगे, बेहतरी की कोई उम्मीद नहीं होगी तो उन्हें कोई डर नहीं रहेगा।

वर्तमान में आईआरजीसी के कमांडर स्वेच्छा से फैसले लेकर धावा बोल रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि आयतुल्लाह खामेनेई ने पहले ही ऐसी व्यवस्था कर दी थी कि अगर वे अमेरिका-इज़राइल के हमले में मारे जाएं तो भविष्य में जवाबी हमले में कोई कमी न आए।

अगर ट्रंप (इराक व अफगानिस्तान की तरह) ईरान में सैनिक भेजकर सत्ता परिवर्तन करने का मंसूबा बना रहे हैं तो उनका रास्ता आसान नहीं होगा। उन्होंने ईरान से अपने दो पायलटों को निकालकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि अमेरिकी बल अत्यधिक शक्तिशाली हैं और वे असंभव को भी संभव बना सकते हैं। दूसरे पायलट का पता लगाने से पहले सीआईए ने अफवाहों का सहारा लिया। यह अभियान बहुत मुश्किल जरूर था, लेकिन हजारों की तादाद में अपने सैनिकों को भेजने से इसकी तुलना नहीं की जा सकती। वर्तमान में आईआरजीसी के कमांडर स्वेच्छा से फैसले लेकर धावा बोल रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि आयतुल्लाह खामेनेई ने पहले ही ऐसी व्यवस्था कर दी थी कि अगर वे अमेरिका–इज़राइल के हमले में मारे जाएं तो भविष्य में जवाबी हमले में कोई कमी न आए। इसका नतीजा दुनिया देख रही है। खामेनेई की हत्या को एक महीने से ज्यादा हो गया है। क्या इससे ईरान की आक्रामकता पर कोई नकारात्मक असर पड़ा? नहीं, बल्कि वह ज्यादा आक्रामक हो गया है। ईरान की जमीन पर सैकड़ों या हजारों अमेरिकी सैनिक उतरने से उन्हें जनता का समर्थन मिलने की संभावना नगण्य है। उस स्थिति में आईआरजीसी के अधिकारी व सैनिक छापामार युद्ध छेड़ सकते हैं। इससे अमेरिका को बहुत भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उक्त दोनों देशों में सत्ता परिवर्तन के बावजूद अमेरिका धरातल पर कोई ठोस बदलाव लाने में विफल रहा था। वह जिस तरह अफगानिस्तान से निकला, उससे बहुत किरकिरी हुई थी। तब अमेरिकी सैनिकों की तस्वीरों ने वियतनाम की यादें ताजा कर दी थीं। कहीं अमेरिका के लिए ईरान दूसरा वियतनाम न बन जाए। इस सैन्य अभियान को यहीं रोक देने से अमेरिका कई अप्रिय अध्यायों का सामना करने से बच जाएगा।

ट्वीटर टॉक

जनसेवा को संकल्प से साकार करने के लिए समर्थ और संवेदनशील नेतृत्व की आवश्यकता होती है। राजस्थान के मुख्य सेवक बनकर इन दूरदर्शी और कर्मठ नेताओं ने अपने–अपने आयाम रचे हैं। राजस्थान की वैश्विक पहचान में इनकी बड़ी भूमिका है।

–गजेन्द्रसिंह शेखावत

डीडवाना–कुचामन जिले के ग्राम बिठुड़ा निवासी, भारतीय नौसेना में कार्यरत लेफ्टिनेंट अंशु राठौड़ जी के आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

–दिया कुमारी

सरकार को चाहिए कि अभी से इस पर ध्यान दे, ताकि किसानों को टाइमली क्षतिपूर्ति मिल सके और किसान की कमर न टूटे। किसानों की हालत बहुत खराब है। वे मेहनत करते हैं, लेकिन बाद में तूफान, ओलावृष्टि और कोल्ड वेव के कारण फसलें खराब हो जाती हैं।

–अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

सम्मान का हकदार

एक दिन स्कूल में छुट्टी होने के कारण एक दर्जी का बेटा अपने पिता की दुकान पर चला गया। वहां जाकर वह बड़े ध्यान से अपने पिता को काम करते हुए देखने लगा। उसने देखा कि उसके पिता कैंची से कपड़ा काटते हैं और कैंची को पैर के पास नीचे दबाकर रख देते हैं। फिर सुई से कपड़ा सीते हैं और सिलने के बाद सुई को अपनी टोपी पर लगा लेते हैं। जब उसने यह क्रिया कई बार देखी तो उससे रहा नहीं गया। उसने अपने पिता से पूछा, 'पिताजी, आप ऐसा क्यों करते हैं?' पिता ने मुस्कुराकर उत्तर दिया, 'बेटा, कैंची काटने का काम करती है और सुई जोड़ने का। जो काटता है उसकी जगह हमेशा नीचे होती है, और जो जोड़ता है उसकी जगह हमेशा ऊपर होती है। इसलिए मैं सुई को टोपी पर और कैंची को पैर के नीचे रखता हूं।'

सामयिक

बदलते परिवेश में स्वास्थ्य चुनौतियां

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

विश्व स्वास्थ्य दिवस प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को मनाया जाता है, जो न केवल स्वास्थ्य के प्रति चेतना जगाने का कार्य करता है, बल्कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को भी प्रेरित करता है। इस विशेष दिन की नींव 7 अप्रैल 1948 को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना के साथ रखी गई थी, और इसे आधिकारिक रूप से पहली बार 1950 में मनाया गया। वर्ष 2026 में, जब दुनिया तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है, विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम 'टूगेटर फॉर हेल्थ, स्टेंड विथ साइंस' यानी स्वास्थ्य के लिए एकजुट, विज्ञान के साथ खड़े रहें निर्धारित की गई है। यह थीम एक अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ पर हमारे सामने आई है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी सूचनाओं, मिथकों और वैज्ञानिक तथ्यों के बीच एक निरंतर संघर्ष देखा गया है। यह विषय हमें इस बात के लिए प्रोत्साहित करता है कि हम अपने जीवन और स्वास्थ्य के प्रति निर्णय लेते समय भावनाओं या अफवाहों के बजाय साक्ष्य–आधारित विज्ञान को आधार बनाएं। विज्ञान ही वह प्रकाश है जिसने मानवता को सबसे अंधेरे समय में रास्ता दिखाया है, और 2026 का यह अभियान इसी वैज्ञानिक दृष्टिकोण को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने की एक सशक्त पुकार है।

इतिहास देखें तो वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग की यात्रा 19वीं शताब्दी के मध्य में शुरू हुई थी। वर्ष 1851 में पेरिस में आयोजित पहला अंतरराष्ट्रीय स्वच्छता सम्मेलन इस दिशा में पहला बड़ा कदम था, जिसका उद्देश्य हैजा जैसी संक्रामक बीमारियों के प्रसार को रोकना था। इसके बाद 1902 में पैन–अमेरिकन सैनिटरी ब्यूरो और 1907 में ऑफिस इंटरनेशनल 'डी'हाइजीन पब्लिक जैसे संगठनों ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सहयोग की नींव को और मजबूत किया। द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका के बाद जब संयुक्त राष्ट्र का गठन हुआ, तब यह महसूस किया गया कि एक ऐसी वैश्विक संस्था की आवश्यकता है जो बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के पूरी मानवता के स्वास्थ्य की रक्षा कर सके। परिणामस्वरूप, 1946 में न्यूयॉर्क में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सम्मेलन में विश्व स्वास्थ्य संगठन के संविधान पर 61 देशों ने हस्ताक्षर किए और अंततः 7 अप्रैल 1948 को यह संगठन अस्तित्व में आया। वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देश हैं, जो दुनिया भर में क्शरश्रींह षी –श्रश्र के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्वास्थ्य ही वह आधार है जिस पर हमारे सभी सपने और सफलताएं टिकी हैं। यदि हम विज्ञान और सहयोग के हाथ थामकर आगे बढ़ेंगे, तो निश्चित रूप से हम एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर पाएंगे जहां 'हेल्थ फॉर ऑल' केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक वास्तविकता होगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की सबसे बड़ी सफलता 1980 में चेचक का वैश्विक उन्मूलन रही है, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि यदि दुनिया विज्ञान के साथ एकजुट होकर खड़ी हो, तो किसी भी असाध्य बीमारी को जड़ से मिटाया जा सकता है। इसके अलावा, पोलियो के मामलों में 99 प्रतिशत से अधिक की कमी, एचआईवी/एड्स के उपचार में प्रगति और हाल के वर्षों में मलेरिया के पहले टीके की मंजूरी विज्ञान की ही गौरवशाली उपलब्धियां हैं।

वर्ष 2026 की थीम 'स्टेंड विथ साइंस' केवल एक नारा नहीं है, बल्कि यह वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता है। आधुनिक युग में डिजिटल मीडिया के विस्तार के साथ स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचनाएं एक नई महामारी की तरह उभरी हैं। टीकाकरण से लेकर कैंसर के उपचार तक, लोग अक्सर वैज्ञानिक प्रमाणों के स्थान पर अवैज्ञानिक दावों की ओर आकर्षित हो जाते हैं। ऐसे में यह थीम दुनिया को याद दिलाती है कि विज्ञान ने ही हमें टीके, एंटीबायोटिक्स, उन्नत सर्जिकल तकनीक और जीवन रक्षक दवाएं दी हैं। वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति सम्मान और शोध में निवेश ही वह मार्ग है जिससे भविष्य की महामारियों को रोका जा सकता है। इसके साथ ही, 2026 का अभियान जपश क्शरश्रींह दृष्टिकोण पर बहुत अधिक जोर देता है। विज्ञान हमें बताता है कि मनुष्यों का स्वास्थ्य अकेले नहीं सुधारा जा सकता, क्योंकि यह पशुओं और हमारे साझा पर्यावरण के स्वास्थ्य से गहराई से जुड़ा हुआ है। डेटा बताते हैं कि मनुष्यों में होने वाली लगभग 75 प्रतिशत नई उभरती संक्रामक बीमारियां 'ज़ूनोटिक' होती हैं, यानी वे जानवरों से मनुष्यों में फैलती हैं। इसलिए, जब हम विज्ञान के साथ खड़े होने की बात करते हैं, तो इसमें पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण, जैव–विविधता की रक्षा और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझना भी शामिल है।

आज वैश्विक स्वास्थ्य के सामने चुनौतियां पहले से कहीं अधिक जटिल हैं। गैर–संचारी रोग जैसे हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर और श्वसन संबंधी बीमारियां वर्तमान में दुनिया भर में होने वाली कुल मौतों का लगभग 74 प्रतिशत हिस्सा हैं। डेटा के अनुसार, प्रत्येक वर्ष लगभग 41 मिलियन लोग इन बीमारियों के कारण अपनी जान गंवाते हैं, जिनमें से 17 मिलियन मौतें 70 वर्ष की आयु से पहले ही हो जाती हैं। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि हमारी जीवनशैली और वैज्ञानिक परामर्श की अनदेखी हमें किस ओर ले जा रही है। विशेष रूप से मधुमेह की समस्या एक वैश्विक संकट बन चुकी है, जिससे दुनिया भर में 530 मिलियन से अधिक लोग प्रभावित हैं और यह संख्या 2045 तक बढ़कर 780 मिलियन होने का अनुमान है। मानसिक स्वास्थ्य भी एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर 2026 के इस अभियान में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक विकार के साथ जी रहा है। डिप्रेशन और चिंता न केवल व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी हर साल खरबों डॉलर का नुकसान पहुंचाते हैं। 'स्टेंड विथ साइंस' का संदेश हमें यह समझने के लिए प्रेरित करता है कि मानसिक रोग भी शारीरिक रोगों की तरह ही वैज्ञानिक उपचार और सामाजिक समर्थन के पात्र हैं।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश के लिए विश्व स्वास्थ्य दिवस का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। भारत ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, जैसे 2014 में पोलियो मुक्त घोषित होना और हाल के वर्षों में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज करना। हालांकि, चुनौतियां अभी भी शेष हैं। भारत की एक बड़ी आबादी अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है जहां गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच एक संघर्ष है। विश्व स्वास्थ्य दिवस का आयोजन केवल बड़े भाषणों या सम्मेलनों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे एक जन आंदोलन का रूप लेना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में जब विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सिद्धांतों और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में सिखाया जाता है, तो वे आने वाली पीढ़ी के लिए एक मजबूत नींव रखते हैं। स्वास्थ्य शिविरों, टीकाकरण अभियानों और मुफ्त जांच कार्यक्रमों के माध्यम से इस दिन की सार्थकता को जमीन पर उतारा जाता है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी स्वयं लेनी होगी। संतुलित आहार, नियमित शारीरिक व्यायाम, पर्याप्त नींद और तनाव प्रबंधन जैसी छोटी–छोटी चीजें वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित तरीके हैं जिनसे हम एक लंबी और स्वस्थ आयु प्राप्त कर सकते हैं। हमें यह समझना होगा कि आधुनिक तकनीक और दवाएं केवल बीमारी के उपचार में मदद करती हैं, जबकि स्वस्थ जीवनशैली बीमारी को रोकने का सबसे प्रभावी वैज्ञानिक तरीका है। अंततः, विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें याद दिलाता है कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है और एक स्वस्थ समाज ही प्रगतिशील राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। हमें इस दिन यह संकल्प लेना चाहिए कि हम विज्ञान के प्रति अपनी आस्था बनाए रखेंगे, भ्रामक सूचनाओं से बचेंगे और स्वास्थ्य को अपने जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाएंगे। स्वास्थ्य ही वह आधार है जिस पर हमारे सभी सपने और सफलताएं टिकी हैं। यदि हम विज्ञान और सहयोग के हाथ थामकर आगे बढ़ेंगे, तो निश्चित रूप से हम एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर पाएंगे जहां 'हेल्थ फॉर ऑल' केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक वास्तविकता होगी। यह दिवस हमें निरंतर यह प्रेरणा देता रहे कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक धरोहर है जिसे हमें वैज्ञानिक सोच और एकजुटता के साथ सुरक्षित रखना है।

नजरिया

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है। कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है। कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है। कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसाव, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं।

यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास–बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, ईर्ष्या और दिखावे के जीवन के इर्द–गिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है।

यह भी विचारणीय है कि आखिर क्यों हमारे अधिकांश सीरियल सास-बहू के संघर्ष से शुरू होकर षड्यंत्र और बदले पर समाप्त होते हैं, और हमारी फिल्में मारधाड़ और हीरोगिरी पर आधारित होती हैं। इसका एक कारण यह है कि निर्माता यह मानते हैं कि दर्शक यही देखना चाहते हैं। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविकता यह है कि दर्शकों को अच्छा, संवेदनशील और सार्थक कंटेंट मिलेगा, तो वे उसे भी उतना ही पसंद करेंगे, जैसा आज वे कोरियन ड्रामा को पसंद कर रहे हैं।

अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं–मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है।

कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं। भारत में भी कुछ अच्छे धारावाहिक बने हैं, जैसे हम लोग, बुनियाद, संजीवनी, बालिका वधू, उड़ान, तारक मेहता का उल्टा चश्मा आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि फिल्म या धारावाहिक देखकर व्यक्ति अधिक आक्रामक, असंतुष्ट, तनावग्रस्त या अवास्तविक जीवन की कल्पनाओं में खो जाए, तो वह मनोरंजन नहीं, मानसिक प्रदूषण है। लेकिन यदि कोई फिल्म या धारावाहिक व्यक्ति को प्रेरित करे, जीवन में आशा जगाए, समस्याओं से लड़ने की शक्ति दे, रिश्तों को समझने की दृष्टि दे, तो वह वास्तविक मनोरंजन है। आज समाज में मानसिक बीमारियां, अवसाद, अकेलापन और तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में मनोरंजन उद्योग की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। उन्हें ऐसे धारावाहिक और फिल्में बनानी चाहिए जो मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति को स्वस्थ बनने की प्रेरणा दें, सकारात्मक सोच का निर्माण करें, योग, ध्यान, संवाद, परिवार, मित्रता और जीवन के उद्देश्य के महत्व को दिखाएं। यदि इस दिशा में काम किया जाए, तो मनोरंजन उद्योग समाज के लिए वरदान बन सकता है।

यह भी विचारणीय है कि आखिर क्यों हमारे अधिकांश सीरियल सास–बहू के संघर्ष से शुरू होकर षड्यंत्र और बदले पर समाप्त होते हैं, और हमारी फिल्में मारधाड़ और हीरोगिरी पर आधारित होती हैं। इसका एक कारण यह है कि निर्माता यह मानते हैं कि दर्शक यही देखना चाहते हैं। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविकता यह है कि दर्शकों को अच्छा, संवेदनशील और सार्थक कंटेंट मिलेगा, तो वे उसे भी उतना ही पसंद करेंगे, जैसा आज वे कोरियन ड्रामा को पसंद कर रहे हैं। इसका अर्थ है कि समस्या दर्शकों की पसंद में नहीं, बल्कि कंटेंट की दिशा में है। समय आ गया है कि भारतीय मनोरंजन जगत अपनी दिशा पर पुनर्विचार करे। उन्हें यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे समाज को संवेदनशील, सकारात्मक और स्वस्थ बना रहे हैं, या केवल मनोरंजन के नाम पर नकारात्मकता, हिंसा और षड्यंत्र को बढ़ावा दे रहे हैं? मनोरंजन उद्योग केवल उद्योग नहीं है, वह समाज निर्माण का माध्यम भी है।

कोरियन ड्रामा हमें यह सिखाते हैं कि मनोरंजन भी समाज को शिक्षित कर सकता है, प्रेरित कर सकता है, भावनात्मक रूप से परिपक्व बना सकता है और जीवन को समझने की दृष्टि दे सकता है। भारतीय सिनेमा और टेलीविजन यदि इस दिशा में काम करें, तो वे केवल मनोरंजन नहीं करेंगे, बल्कि समाज को बेहतर बनाएंगे। मनोरंजन का सर्वोच्च रूप वही है जो मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाए, जो निराशा में आशा दे, जो टूटते परिवारों को जोड़ने की प्रेरणा दे, जो तनावग्रस्त व्यक्ति को शांति दे, जो जीवन की समस्याओं का समाधान सिखाए। जब भारतीय धारावाहिक और फिल्में इस दिशा में बननी शुरू होंगी, तब मनोरंजन वास्तव में समाज निर्माण का माध्यम बन सकेगा। यही समय की आवश्यकता है और यही भविष्य की दिशा भी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी का आकलन: किम जोंग उन की किशोरवय बेटी हो सकती है उनकी उत्तराधिकारी

सियोल/एपी। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी का कहना है कि अब उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की किशोरवय बेटी को उनकी उत्तराधिकारी के रूप में देखना उचित होगा। यह किम जोंग उन की बेटी की बढ़ती राजनीतिक स्थिति पर अब तक का सबसे जोरदार आकलन है, जिसके बारे में एजेंसी का मानना है कि वह अपने परिवार के शासन को चौथी पीढ़ी तक बढ़ा सकती है। सरकारी मीडिया द्वारा किम की 'सबसे प्रिय' या 'सम्मानित' संतान के बतायी जा रही यह लड़की, 2022 के अंत से अपने पिता के साथ कई हाई-प्रोफाइल कार्यक्रमों में शामिल हुई है, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि उसे उत्तर कोरिया की भावी नेता के रूप में तैयार किया जा रहा है।

'नेशनल असेंबली' में हुई एक गुप्त बैठक के दौरान, दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा के निदेशक ली जोंग-सीओक ने कहा कि लड़की को किम का उत्तराधिकारी माना जा सकता है। बैठक में शामिल सांसदों में से एक, ली सियोंग क्वोन के अनुसार, निदेशक ने यह बात लड़की की राजनीतिक स्थिति के बारे में सांसदों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में कही।सांसद ली ने बैठक के दौरान बताया कि जब किम की बहन किम यो जोंग (जिन्हें लंबे समय से उत्तर कोरिया का दूसरा सबसे शक्तिशाली व्यक्ति माना जाता रहा है) की ओर से संभावित विरोध के बारे में पूछा गया, तो एनआईएस निदेशक ने जवाब दिया कि उनके पास कोई वास्तविक शक्तियां नहीं हैं। उन्होंने एनआईएस के हवाले से बताया कि यह जानकारी अघोषित 'विश्वसनीय खुफिया सूचना' पर आधारित है।

यह उस लड़की की स्थिति पर एनआईएस द्वारा किया गया अब तक का सबसे पुख्ता आकलन है। 2024 की शुरुआत में, एजेंसी ने उसे अपने पिता के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में वर्णित किया था, जो उत्तर कोरिया के अगले नेता के रूप में उसे तैयार किए जाने पर पहला आधिकारिक आकलन था। इस साल फरवरी में, एजेंसी ने कहा था कि उसका मानना है कि वह देश के भावी नेता के रूप में नामित होने के काफी करीब है। हालांकि कुछ पर्यवेक्षक एनआईएस के आकलन से असहमत हैं। उनका कहना है कि उत्तर कोरिया का अत्यधिक पुरुष प्रधान समाज किसी महिला नेता को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि 42 वर्षीय किम खुद इतने युवा हैं कि वह अपना उत्तराधिकारी नामित नहीं करेंगे, क्योंकि ऐसा होने से सत्ता पर उनकी पकड़ कमजोर हो सकती है।

नॉमिनेशन

तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार बरनाली डे रॉय सोमवार को नादिया जिले के राणाघाट में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए अपना नॉमिनेशन फाइल करने जाती हुई।

लांच

अभिनेता अक्षय कुमार और तब्बू सोमवार को मुंबई में फिल्म भूत बांग्ला के ट्रेलर लॉन्च पर दिखे।

भोजशाला मूलत: देवी सरस्वती का मंदिर है, यह कतई मस्जिद नहीं हो सकता: हिंदू पक्ष

इंदौर/भाषा। हिंदू पक्ष ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में सोमवार को कहा कि धार के विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर की मूल प्रकृति देवी सरस्वती के मंदिर की है और यह ऐतिहासिक स्मारक एक मस्जिद कतई नहीं हो सकता।

हिंदू पक्ष के मुताबिक ऐतिहासिक रिकॉर्ड और विवादित परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के वैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट उसके इस दावे का समर्थन करती है।

भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष 11वीं सदी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह विवादित परिसर एएसआई द्वारा संरक्षित है।

उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने इस परिसर के धार्मिक स्वरूप के विवाद को लेकर दायर चार याचिकाओं और एक रिट अपील पर सोमवार से नियमित सुनवाई शुरू की।

न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की खंडपीठ सभी संबद्ध पक्षों की दलीलें सिलसिलेवार तरीके से सुन रही है।

याचिकाकर्ताओं में शामिल संगठन 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' की ओर से पैरवी करते हुए विष्णु शंकर जैन ने अदालत में कहा कि ऐतिहासिक रिकॉर्ड, एएसआई के वैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट और याचिका के साथ पेश तथ्यात्मक सामग्री साबित करती है कि विवादित परिसर का मूल चरित्र या प्रकृति देवी सरस्वती के मंदिर की है। उन्होंने इस परिसर में हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों, संस्कृत श्लोकों से युक्त शिलालेखों, मंडप और हवन कुंड होने का दावा करते हुए कहा कि यह स्मारक कोई मस्जिद हो ही नहीं सकता। जैन ने कहा कि विवादित स्मारक उस हिंदू संरचना का भाग है जिसे धार के परमार राजवंश के राजा भोज ने 1034 ईस्वी में स्थापित किया था। उन्होंने धार पर मुस्लिम आक्रांताओं के अलग-अलग हमलों का हवाला दिया और कहा कि गुजरे बरसों के दौरान भोजशाला परिसर में हिंदू प्रतीक चिह्नों को मिटाने के प्रयासों के बावजूद ये निशानियां आज भी मौजूद हैं।

जैन ने जोर देकर कहा कि कानूनी प्रावधानों के मुताबिक एएसआई के संरक्षित किसी भी स्मारक का मूल धार्मिक चरित्र बदला नहीं जा सकता, लिहाजा भोजशाला परिसर में केवल हिंदुओं को उपासना का अधिकार प्रदान किया जाना चाहिए।

करीब दो घंटे चली सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष के एक वकील ने कहा कि हिंदू पक्ष की याचिका के समर्थन में पेश तमाम दस्तावेजों की प्रतियां उन्हें मुहैया कराई जाएं।

उच्च न्यायालय ने यह गुहार मंजूर करते हुए मौखिक टिप्पणी की कि सिलसिलेवार दलीलें पूरी होने के बाद सभी पक्ष अपनी आपत्तियां पेश कर सकते हैं जिन पर अदालत विचार करेगी।

आप ही सिनेमा के बैकबोन... 'धुरंधर 2' की सफलता के बीच 'यालीना' ने पर्दे के पीछे के 'हीरोज' को किया सलाम

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सारा अर्जुन ने अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता का श्रेय पर्दे के पीछे काम करने वाली पूरी टीम को देते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा कि फिल्म की भव्यता और सफलता सिर्फ कलाकारों की नहीं, बल्कि उन अनगिनत लोगों की मेहनत का नतीजा है जो फ्रेम के बाहर रहकर दिन-रात मेहनत करते हैं। सारा अर्जुन ने पोस्ट में बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक आदित्य धर से मिलीं, तो उनकी आंखों में सिनेमा के लिए कुछ खास करने की चमक साफ नजर आ रही थी। उन्होंने कहा कि फिल्म के हर कदम पर यह एहसास मजबूत होता गया, लेकिन फिल्म पूरी होने के बाद जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा, तो उन्हें फ्रेम के बाहर खड़े उन लोगों की पूरी फौज नजर आई, जिन्होंने इस बड़े सपने को हकीकत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह पोस्ट खासतौर पर 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के उन गुमनाम नायकों को समर्पित है, जिनका योगदान अक्सर पर्दे के पीछे ही रह जाता है। सारा ने सबसे पहले निर्देशक आदित्य धर और उनकी पूरी डायरेक्शन टीम को धन्यवाद दिया। उन्होंने उन्हें जहाज का कप्तान बताया और कहा कि उन्होंने इस फिल्म को पर्दे पर उतारने के लिए दिन-रात एक कर दिया। प्रोड्यूसर्स लोकेश धर, ज्योति मैम, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज की टीम का भी उन्होंने विशेष रूप से आभार जताया। सारा ने लिखा कि इन लोगों ने तमाम मुश्किलों का सामना करते हुए फिल्म को पूरा किया।यालीना फेम सारा ने डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी और कैमरा टीम की तारीफ की, जिन्होंने हर फ्रेम में फिल्म की भव्यता और आत्मा को कैद किया। कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा और उनकी टीम को धन्यवाद देते हुए सारा ने कहा कि उन्होंने सिर्फ सही चेहरे नहीं, बल्कि किरदारों की खासियत को चुनकर पर्दे पर पेश किया। कॉस्ट्यूम डिजाइनर स्मृति चौहान, मेकअप डिजाइनर प्रीति शील और उनकी टीमों को भी उन्होंने याद किया। सारा ने लिखा कि इन्होंने कपड़ों में इतिहास बुना और अभिनेताओं के साथ शानदार कहानियां उकेरीं। उन्होंने लिखा, एक्टर्स को पोस्टर पर चेहरा बनने का मौका मिलता है, लेकिन आप ही सिनेमा की रीढ़ हैं। संगीतकार और पूरी म्यूजिक टीम को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि इन्होंने फिल्म में जान फूंक दी। एडिटर शिवकुमार पणिक्कर, वीएफएक्स टीम और ओजस गौतम की मेहनत की भी उन्होंने सराहना की। प्रोडक्शन डिजाइन टीम, सेफ्टी और स्टंट क्रू, लाइटिंग, साउंड और स्पॉट टीम को भी सारा ने याद किया। उन्होंने कहा कि ये लोग सेट पर सबसे पहले पहुंचते थे और सबसे आखिर में निकलते थे। अंत में सारा अर्जुन ने उन सभी अनगिनत लोगों को धन्यवाद दिया, जिनके नाम पोस्ट में नहीं मेंशन किए गए, लेकिन जिनकी मेहनत बिना यह फिल्म संभव नहीं थी।

भूत बंगला ट्रेलर : चमगादड़ों की सेना के साथ 'वधुसूर' की एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव स्टारर फिल्म 'भूत बंगला' का कॉमेडी और खौफ दोनों से भरा ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में राजपाल यादव और परेश रावल की कॉमेडी ने पुराने दिन याद दिला दिए हैं। फिल्म का ट्रेलर कॉमेडी से शुरू होता है लेकिन आखिर तक आते-आते सबकी सांस रुकने वाली है, क्योंकि फाइनली 'वधुसूर' की एंट्री हो चुकी है, जो चमगादड़ों की सेना के साथ दोबारा जिंदा हो गया है। अक्षय कुमार ने अपकमिंग फिल्म भूत-बंगला का शानदार ट्रेलर रिलीज शेयर किया है, जहां अभिनेता अपनी एक शादी के लिए शापित महल का चुनाव करते हैं। हालांकि महल में आने के बाद उन्हें पता चलता है कि बंगले में भूत है। पहले तो अक्षय कुमार मानते हैं कि भूत नहीं होता है लेकिन ट्रेलर के आखिर में वधुसूर की एंट्री सबकी सांसें रोक देती है। फिल्म में तब्बू के किरदार में ट्विस्ट नजर आ रहा है, ऐसा लग रहा है कि वहीं है जो वधुसूर को वापस जिंदा कर रही हैं।

दरअसल वधुसूर एक भूत है, जिसे महल के एक कमरे में सालों पहले कैद कर दिया था, लेकिन कोई तो है, जो उसे वापस जिंदा करना चाहता है। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी सीन की भरमार है। राजपाल यादव एक बार फिर 'चुप चुप के' के 'वन्ध्या' के जैसे लग रहे हैं, जो चकरी की तरह हर तरफ घूम रहे हैं, वहीं परेश रावल की कॉमिक टाइमिंग भी शानदार है। कुल मिलाकर अक्षय कुमार, परेश रावल और राजपाल यादव की तिकड़ी फैंस को एक बार फिर पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर देगी।अभिनेता ने ट्रेलर शेयर कर लिखा, भूत बांग्ला में आपका स्वागत है। यहां ना तो लोग नॉर्मल हैं... और ऊपर से बांग्ला भी पैरानॉर्मल है। अपने जोखिम पर आइए। फिल्म 16 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और मेकर्स ने इस बार शो का पेड-प्रीव्यू रखा है और पहला शो रात को 9 बजे रखा गया। बता दें कि 19 साल बाद अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी सिनेमा पर वापसी कर रही है। दोनों ने 'हेरा फेरी', 'गरम मसाला' और 'भूल भुलैया' में साथ काम किया है। अब भूत-बंगला के साथ दोनों एक साथ फिर वापस आ रहे हैं।

अनुराग कश्यप की 'देव-डी' दोबारा होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अनुराग कश्यप की कल्ट क्लासिक फिल्म देव डी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटने जा रही है। अभय देओल, कल्कि कोचलिन और माही गिल अभिनीत यह फिल्म 24 अप्रैल को चुनिंदा सिनेमाघरों में री-रिलीज होगी। 2009 में रिलीज हुई 'देव डी' ने अपने अनोखे ट्रीटमेंट और बोल्ड नैरेटिव के जरिए निर्देशक को बॉलीवुड में एक मजबूत पहचान दिलाई थी। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अनुराग कश्यप ने फिल्म को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि 'देव डी' महज एक कहानी नहीं, बल्कि उस समय उनके भीतर के गुस्से और सिस्टम के खिलाफ एक विद्रोह का परिणाम थी। उनका उद्देश्य पारंपरिक 'देवदास' की छवि को तोड़ना और उसकी स्त्री-विरोधी सोच को चुनौती देना था। फिल्म में पारो और चंदा जैसे किरदारों को आधुनिक दृष्टिकोण के साथ पेश किया गया, जहां वे मजबूत और आत्मनिर्भर नजर आती हैं।

अनुराग ने कहा कि वह दर्शकों को सुकून देने के बजाय असहज करना चाहते थे, ताकि वे माफी और जिम्मेदारी जैसे विषयों पर सोचें। उन्होंने फिल्म के अंत को भी जानबूझकर पारंपरिक सुखांत से अलग रखा। 'देव डी' दरअसल शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास 'देवदास' का आधुनिक रूपांतरण है, जिसमें अभय देओल, माही गिल और कल्कि कोचलिन ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं।

फिल्म की री-रिलीज को लेकर अनुराग कश्यप काफी उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि नई पीढ़ी इस फिल्म और इसके संगीत को नए नजरिए से अपनाएगी। 'देव डी' आज भी अपने अलग अंदाज और दमदार कहानी के लिए सिनेमा प्रेमियों के बीच खास जगह रखती है।

आदित्य धर ने 'धुरंधर' के सिनेमैटोग्राफर विकास नौलखा की तारीफ की

नई दिल्ली/भाषा

फिल्म निर्देशक आदित्य धर ने अपनी फिल्म धुरंधर: द रिवेंज में सिनेमैटोग्राफर विकास नौलखा के प्रयासों की सराहना की और कहा कि उन्होंने फिल्म के हर दृश्य में जान डाल दी।

धर की फिल्म धुरंधर: द रिवेंज 19 मार्च को रिलीज हुई और वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 1500 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया। यह उनकी 2025 में निर्देशित फिल्म धुरंधर का सीक्वल है।

फिल्म निर्देशक ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर नौलखा के साथ कई तस्वीरें साझा कीं और कहा कि सिनेमैटोग्राफर फिल्म से सबसे अंत में जुड़ने वाले लोगों में शामिल थे। उन्होंने लिखा, विकास नौलखा फिल्म 'धुरंधर' की आत्मा हैं। वह 'धुरंधर' फिल्म की शूटिंग शुरू होने से कुछ ही दिन पहले इसमें शामिल हुए। लेकिन उनकी गहरी समझ को देखते हुए यह बहुत मायने रखता था। उन्होंने कहा, मुझे आज भी याद है कि कहानी पढ़ने के बाद उन्होंने कहा था, 'मैंने इस तरह की फिल्म करने के लिए 30 साल इंतजार किया है। मैं इसके लिए अपनी जान दे दूंगा।' उन्हें अपने कहे हर शब्द का मतलब पता था।

निर्देशक ने कहा, इसके बाद जो कुछ हुआ वह सिर्फ काम नहीं था, बल्कि समर्पण था।

फिल्म में रणवीर सिंह के साथ आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

धर ने कहा, फिल्म का भार अपने कंधों पर उठाने के बाद उन्होंने अमृतसर की चिलचिलाती गर्मी और लेह की कड़ाके की ठंड में भी कभी खुद को लक्ष्य से भटकने नहीं दिया। लेकिन विकास को जो बात सचमुच असाधारण बनाती है, वह सिर्फ उनकी सहनशक्ति ही नहीं, बल्कि उनकी दृष्टि है। बारीकियों पर उनकी पैनी नजर, कैमरे के पीछे उनकी भावनात्मक समझ, किसी दृश्य को न सिर्फ देखने में बल्कि महसूस करने में भी सक्षम होना, यही उनकी प्रतिभा का स्रोत है।

'रामायण' में रणबीर कपूर का डबल रोल, राम के साथ परशुराम के किरदार में भी आएंगे नजर

मुंबई/एजेन्सी

रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों में उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। हाल ही में जारी टीजर के बाद अब रणबीर कपूर ने बड़ा खुलासा करते हुए पुष्टि की है कि वह फिल्म में डबल रोल निभाते नजर आएंगे। अभिनेता न केवल भगवान राम की भूमिका में दिखेंगे, बल्कि भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का किरदार भी निभाएंगे। रणबीर कपूर ने इस दोहरी भूमिका को अपने करियर का एक शानदार अवसर बताया है। उन्होंने कहा कि परशुराम और राम, दोनों ही आध्यात्मिक और भावनात्मक रूप से गहरे किरदार हैं, जिन्हें समझना एक अभिनेता के लिए चुनौतीपूर्ण है। रणबीर के मुताबिक, इन किरदारों की मूल भावना, उनके सिद्धांत और उद्देश्य को समझना अभिनय की सबसे अहम प्रक्रिया रही।

टीजर में भी इस डबल रोल की झलक देखने को मिली थी, जहां भगवान राम के रूप में रणबीर को एक सुनहरे फरसे को पकड़ते हुए दिखाया गया, जो परशुराम का प्रतीक माना जाता है। हालांकि उस समय चेहरा स्पष्ट नहीं किया गया था, लेकिन अब अभिनेता ने इन अटकलों पर मुहर लगा दी है।

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में यश रावण, साई पल्लवी सीता और सनी देओल हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। यह मेगा बजट फिल्म दिवाली 2026 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अग्रसेन कालेज ने मनाया अपना रजत वार्षिकोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां जयगोविंद हरिगोपाल अग्रवाल अग्रसेन कालेज माधावरम ने सोमवार को अपना 2025-26 का वार्षिकोत्सव सहेली ऑडिटोरियम में धूमधाम से मनाया। कालेज के रजत जयंती 25वें वार्षिकोत्सव का उत्साह छात्रों एवं प्राध्यापकों में साफ नजर आया। मुख्य अतिथि शोध निदेशक कामर्स डॉ पी जे लता माहेश्वरी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि लता माहेश्वरी ने कहा की किसी छात्र के जीवन में यह एक यादगार दिन होता है। आज का छात्र, जीवन यात्रा के इस पड़ाव पर बहुत कुछ सिखता है। उन्होंने कहा की असफलता से भी सीख लेकर आगे बढ़ते रहना चाहिए। आज की नई पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है। सभापति आदित्य अग्रवाल ने सभी का स्वागत करते हुए कहा की शिक्षा जगत नई पीढ़ी को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। सचिव हरीश कुमार सांघी ने कहा कि हमने इन 25 वर्षों मे कई उपलब्धियां हासिल की है जिनमें स्टाफ एवं छात्रों का योगदान साधुवाद के पात्र हैं। कोषाध्यक्ष बाल गोविंद गुप्ता ने कहा की जब हमारे छात्र नई सफलताएँ प्राप्त करते है तब हमे गर्व होता है। रजत जयंती समिति के चेयरमैन हरीश कुमार लोहिया ने 25 वर्षों की कामयाबी के लिए छात्रों व प्राध्यापकों को हार्दिक बधाई दी। प्राचार्य डॉ वी गोपी ने कालेज रिपोर्ट पढ़कर 2025-26 की उपलब्धियों को सुनाया जिसमे छात्रों ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला प्रदर्शित कर कालेज का नाम रोशन किया है।

महाविद्यालय की प्रबंधन समिति ने सभी का सम्मान किया। मुख्य अतिथि का सम्मान सचिव व सभापति ने शाल ओढाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर किया। अनेक छात्रों एवं प्राध्यापकों को उनके विशेष कार्यों के लिए प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देखने लायक थी। रजत जयंती अवसर पर प्रबंधन समिति ने आगामी वर्ष में प्रवेश लेने वाले नवागत छात्रों के लिए अनेक सुविधाओं की घोषणा की। मंच पर उप प्राचार्या डॉ उमा माहेश्वरी भी उपस्थित थीं।

टीईएमटी स्पोर्ट्स मीट का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ एजुकेशनल एवं मेडिकल ट्रस्ट द्वारा आयोजित टीईएमटी स्पोर्ट्स मीट के उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि लेखिका एवं महिला क्रिकेटर सुश्री प्राची मुथा थी। ट्रस्ट द्वारा मुख्यअतिथि का सम्मान किया गया। प्रतिस्पर्धा के संयोजक गजेंद्र बोहरा के श्रम और अथक परिश्रम का नतीजा है कि 5 अप्रैल को ट्रस्ट के नव निर्मित हिरावत ब्लॉक में 130 से भी अधिक खेल प्रेमियों के मध्य बैडमिंटन, टेबल टेनिस एवं केरम एकल व डबल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रबंध न्यासी विमल चिप्पड़ ने सभी का स्वागत किया। नियमों की जानकारी रेख धोका ने दी।

संचालन न्यास के मंत्री महावीर गेलड़ा ने किया। आभार गजेन्द्र बोहरा ने दिया। टेबल टेनिस में चार, कैरम में चार और बैडमिंटन में आठ श्रेणियों में विभाजित कर प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गई। सभी खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र एवं प्रोत्साहन पुरस्कृत किया गया।

आईओबी द्वारा सरकार के नए फॉर्म '121 (भाग-ए)' के बारे में जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इण्डियन ओवरसीज़ बैंक (आईओबी) अपने सम्मानित ग्राहक एवं आम जनता को बताया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की अधिसूचना तथा आयकर अधिनियम, 2025 की धारा 393(6) के अनुसार, सरकार ने कर वर्ष 2026-27 से फॉर्म 15जी एवं फॉर्म 15एच को समाप्त कर दिया है। 1 अप्रैल से, इनके स्थान पर एक एकीकृत प्रपत्र-फॉर्म 121 (भाग-ए-) लागू किया गया है। आयकर नियम, 2026 के नियम 211 के अंतर्गत अब वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी व्यक्तियों को अपनी आय कर योग्य सीमा से कम होने की घोषणा हेतु इसी एक प्रपत्र का उपयोग करना होगा, जिससे प्रक्रिया सरल होगी तथा कागजी कार्यवाही में कमी आएगी। आपकी घोषणा अस्वीकृत न हो तथा कर की कटौती से बचने के लिए कृपया ध्यान दें कि इसके लिए वैध पैन अनिवार्य है। बैंक ने सभी ग्राहकों से अनुरोध किया है कि वे आयकर अधिनियम, 2025 के अनुरूप नए फॉर्म 121ए का उपयोग करें। जो हमारे सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध है।

आदिनाथ सुले में सक्रत्सव सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सुलै स्थित आदिनाथ सेवा केन्द्र में 1008 बार सक्रत्सव का शुद्ध उच्चारण निर्विघ्नतापूर्वक साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी म. सा. की निश्रा में सम्पन्न हुआ। 'ॐ अर्हम नम:' के सवा करोड़ जाप एवं नवकार महामंत्र के सवा लाख जाप पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ सम्पन्न हुई। गत 11 दिनों से सिमन्धर दादाजी का अभिषेक, अष्ट प्रकारी पूजा सिमन्धर दादा का अभिषेक, 108 पुष्प अर्पण आदि अनेक विधान विधिविधान अतंरिक्ष टांटिया ने करवाया। ट्रस्ट के ट्रस्टियों, कार्यकर्ताओं, सेवाभावी श्रावक श्राविकों द्वारा किया गया।

ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ. मनोज जैन द्वारा सभी संतों का गत 21 दिवसीय प्रवास के लिए आभार व्यक्त किया। बंधु बेलड़ी डॉ मोहन मनोज जैन को इसी तरह शासन प्रभावना, तपस्चर्या आदि में खूब आगे बढ़ने का विशेष आशीर्वाद देते हुए साध्वीवृंद ने मांगलिक दिया।

सुन्दरकांड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में माँ दुर्गा भक्त मन्डल के तत्वावधान में 5 अप्रैल को सुन्दरकांड का पाठ प्रकाश सामसुखा की कम्पनी परिसर में किया गया। गणेश वंदना के साथ सुन्दरकांड में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। मां दुर्गा भक्त मंडल कि ओर से अध्यक्ष अशोक शर्मा, उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने प्रकाश सामसुखा का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि कैसे मंडल सात्विक विचारों की प्रेरणा देते हुए निस्वार्थ एवं निशुल्क पूरे तिरुपुर जिला में प्रत्येक रविवार को घर घर जाकर भक्ति कि प्रेरणा देकर सभी को धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते आ रहा है।

इंटर जैन समाज क्रिकेट लीग प्रतियोगिता में जैन स्ट्राइकर्स ने जीता खिताब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहां रविवार को नोवा राउंड टर्फ में तेरापंथ युवा क्रिकेट समिति द्वारा आयोजित इंटर जैन समाज क्रिकेट लीग प्रतियोगिता में सेलम जैन संघ की कुल चार टीम पोरवाल पैंथर्स, जैन ओसवाल स्ट्राइकर्स, स्थानकवासी स्ट्राइकर्स और तेरापंथी युवा स्ट्राइकर्स ने भाग लिया। दिगंबर संप्रदाय के अभिषेक पाटनी ने कहा कि इस साल विभिन्न कारणों से उनके समाज की टीम बतौर प्रतिभागी न उतार पाने का खेद है। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुई। संदीप सुराणा ने सभी का स्वागत किया। सभी टीम कप्तान के वक्तव्य और राष्ट्रगान और जैन एंथम हुआ। पुनीत डुंगरवाल ने आयोजकों, खिलाड़ियों तथा अंपायर पैनल का परिचय दिया। खेल को अधिकारिक शुरूआत तेरापंथी समाज के स्पोर्ट्स आईकान विरेन्द्र कुमार सेठिया एवं राजेश भंसाली ने क्रिकेट खेल कर प्रदान की। अपने तीनों लीग में अजेय रहते हुए स्थानकवासी स्ट्राइकर्स सीधे फाइनल में पहुंचे तो वहीं एलिमिनेटर मैच में जैन (ओसवाल) स्ट्राइकर्स ने युवा (तेरापंथ) स्ट्राइकर्स को हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में स्थानकवासी स्ट्राइकर्स टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए जैन स्ट्राइकर्स की सटीक गेंदबाजी और चुस्त क्षेत्ररक्षण के आगे मात्र पैंतीस रन पर ढेर हो गये और इस लक्ष्य को जैन स्ट्राइकर्स के मैन ऑफ दी मैच अल्पेश की ताबड़तोड़ पारी की बदौलत ढाई ओवर में पूरा कर लिया गया। स्थानकवासी स्ट्राइकर्स के महावीर बाफना टूर्नामेंट के बेस्ट बैटर रहे तो जैन स्ट्राइकर्स के भावेश जैन और नितिन जैन क्रमश: बेस्ट बॉलर तथा बेस्ट फील्डर रहे। स्थानकवासी स्ट्राइकर्स रनरअप रही। पोरवाल पैंथर्स, युवा स्ट्राइकर्स, स्थानकवासी स्ट्राइकर्स और जैन स्ट्राइकर्स के क्रमश: टीम मालिक रुषभ साह, अजीत बैद, विनय कवाड और ऋतिक कागरेशा तथा कप्तान अंकुश जैन, आर्यन बैद, महावीर सुराणा और राहुल हुंडिया ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए आयोजकों के पहल की सफलता पर बधाई दी। अभिषेक मुथा, मनोज सिंघवी और तरुण दानी ने माहौल में जान फूंकने वाली कमेंट्री की तो पारस नाहटा ने टॉस संचालन किया। नवीन डुंगरवाल ने सभी प्रायोजकों, सहभागियों तथा सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट किया। मंच संचालन नितेश जैन फुलफगर ने किया।

श्री राजपुरोहित ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी गठित

शांतिलाल धिंगड़ा चेयरमैन, वचनसिंह नारनोरी प्रबंध ट्रस्टी बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चेन्नई महानगर के साहुकारपेट क्षेत्र में स्थित समुद्र मुदली स्ट्रीट के खेतेश्वर भवन में श्री राजपुरोहित ट्रस्ट कि नवीन कार्यकारिणी-2026 का सर्वसम्मति से चयन हुआ। जिसमें ट्रस्ट के जालोर एवं बाड़मेर जिले से 13 व सिरोही जिले से 5 ट्रस्टी सर्वसम्मति से चुने गए। राजपुरोहित ट्रस्ट के सभी सदस्यों ने मिलकर सर्वसम्मति से इन 18 चयनित ट्रस्टियों की नवीन कार्यकरिणी समिति 2026 का गठन किया गया।

शांतिलाल धिंगड़ा और वचनसिंह नारनोणी

जिसमें ट्रस्ट के चैयरमेन पद पर शान्तिलाल धिंगडा मणादर, उपचैयरमेन हंसराज नानीवाल कैलाशनगर, प्रबन्ध न्यासी पर वचनसिंह नारनोणी सांथु, उप प्रबन्ध न्यासी पर छैलसिंह जागरवाल डकातरा एवं भीमराज जागरवाल बासडाधनजी, कोषाध्यक्ष पद पर किशोर सिंह उदेश ओटवाला, उपकोषाध्यक्ष पर डुंगरमल रायगुर जुंझाणी एवं गोरधनसिंह सेपाऊ भागली पुरोहितान सर्वसम्मति से मनोनीत किए गए। बगसिंह राजपुरोहित ने बताया कि उनके अलावा 10 कार्यकारणी सदस्यों का भी चयन हुआ। जिसमें बाबुलाल उदेश बासडाधनजी, जबरसिंह रावतोणी रेवतड़ा, भबुतमल रायगुर नून, दलपतसिंह जागरवाल मोदरान, भुरमल राजगुरु चडुआल, मोहनलाल रायगुर जावाल, बाबुलाल सांथुआ निम्बलाना, विजयराज उदेश धनाणी, नारायणसिंह व्यास, शंखवाली एवं हिरालाल सांथुआ मणादर चुने गए। सभी नए पदाधिकारियों ने दाता खेतेश्वर भगवान के दर्शन लाभ प्राप्त कर पद ग्रहण कर आगामी कार्यकाल में समाजहित में कार्य करने का संकल्प लेकर शपथ ली। समाज के प्रबुद्धजनों एवं ट्रस्ट के सदस्यों ने सभी पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

आचार क्रांति, विचार क्रान्ति तथा अनुशासन ही तेरापंथ का आधार : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथी सभा, बनरघट्टा रोड द्वारा 'तेरापंथ-मेरापंथ' नामक कार्यशाला का आयोजन साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में रविवार को आयोजित की गई। साध्वीश्री ने कहा कि तेरापंथ की पृष्ठभूमि का आधार त्रिपदी है, आचार क्रांति, विचार क्रान्ति तथा अनुशासन। जैन परंपरा के आध्यात्मिक क्षितिज पर रूढ़ विचारों से जकड़े धार्मिक जगत को नया मोड़ देकर आचार्य भिक्षु ने इतिहास रच दिया। दान और दया के नाम पर पलने वाले धार्मिक विभ्रम को समाप्त कर तथा साध्य और साधन को समझाकर उन्होंने समाज को एक नई दिशा दी। नई

ऊर्जा, नई चेतना एवं नए उत्साह के साथ तेरापंथ धर्मसंघ आज पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि आचार्य भिक्षु जैसे दूरदृष्टा, दृढ़ संकल्पी एवं अदम्य साहसी महापुरुष के बनाए सिद्धांतों को आचरण में लाकर नवजागृति का संचार करें। ङ्ङसाध्वीश्री मार्दवश्रीजी ने कहा कि जिसमें प्रत्येक प्राणी के प्रति अनुकंपा की भावना हो वही सम्यकत्वी होता है। आचार्य भिक्षु ने इसी परिभाषा के आधार पर शिथिलाचारियों का विरोध किया तथा सिद्धांतों की वास्तविक पहचान कराई। सामाजिक रूढ़ियों एवं विकृतियों का विरोध कर समाज को एक नई दिशा की ओर ले गए। ङ्ग इस विशेष कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित उपासक महेन्द्र दक ने तेरापंथ दर्शन को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से सिद्धान्तों, विचारों एवं व्यावहारिक आचारों की व्याख्या की तथा लौकिक एवं लोकोत्तर धर्म के बारे में विस्तार से बताया। उपासिका उर्मिला सुराणा ने तेरापंथ के उद्भव के बारे में जानकारी दी। सभाध्यक्ष राजकुमार कोटेचा ने सभी का स्वागत किया। सभा के मंत्री दिलीप खटेड़ ने धन्यवाद दिया।

तेरापंथी परिवार ईस्ट ज़ोन का स्नेह मिलन कार्यक्रम सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मुनि डॉ पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में सरजापुर रोड पर तेरापंथी परिवार ईस्ट ज़ोन का स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में तेरापंथ महासभा के उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा एवं मुख्य वक्ता दक्षिण कर्नाटक आंचलिक प्रभारी महेंद्र दक उपस्थित थे। मुनिश्री ने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ का श्रावक स्वयं के विकास के साथ धर्मसंघ के विकास का भी चिंतन करता है। गृहस्थ जीवन में धन और शक्ति होते हुए भी अध्यात्म के बिना उसे अधूरा माना गया है। उन्होंने आगे कहा कि व्यक्ति को सामाजिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक विकास का प्रयास करना चाहिए, तभी भविष्य शुभ और उज्वल हो सकेगा। मुनिश्री ने कहा कि इस क्षेत्र के सभी जैन बच्चों के लिए ज्ञानशाला तथा महिलाओं की शनिवार साप्ताहिक सामायिक की आराधना करने का प्रयास करें। आदित्य मुनिजी ने गीत के माध्यम से प्रेरणा प्रदान की। ङ्गमुख्य अतिथि प्रकाश लोढ़ा ने कहा कि मुनिश्री पुलकित कुमार जी ने परिश्रमपूर्वक शीघ्र ही श्रावकों में एकजुटता स्थापित करते हुए ईस्ट ज़ोन में दो तेरापंथ सभाओं का निर्माण करके संगठन को मजबूती प्रदान की है। मुख्य वक्ता महेंद्र दक ने कहा, तेरापंथ धर्मसंघ प्राणवान धर्म संघ है। इसका सदस्य होना भी अपने आप में सौभाग्य की बात है।

यहां पर उपस्थित प्रत्येक कार्यकर्ता स्वयं को संघ सेवा के लिए समर्पित करें। सरजापुर रोड महिला मंडल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया, नितेश जैन ने स्वागत भाषण दिया। टीपीएफ के प्रणेश जैन व अमन बरमेचा ने शनिवार को आयोजित सामूहिक सामायिक आराधना की गतिविधि प्रस्तुत की। सहसंयोजक विवेक बरड़िया ने कार्यक्रम का संचालन किया। रवि बोहरा ने धन्यवाद दिया। इस मौके पर वर्षीतप आराधकों का सम्मान किया गया।कार्यक्रम के पश्चात तेरापंथ सभा एवं भवन निर्माण के लिए उपस्थित सदस्यों की सहमति ली गई और इस संदर्भ में प्रस्ताव पारित किए गए। कार्यक्रम में केआर पुरम, व्हाइटफ़ील्ड, महादेवपुरा, मारथहली, बेलंदूर, सरजापुर रोड, हर्लूर रोड, एचएसआर लेआउट, शुभ एनक्लेव, वर्तुर आदि क्षेत्रों से अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

देवी उत्सव

बेंगलूरु के बंडे महाकाली अम्मनवार युवा संघ मुडलपाल्या द्वारा आयोजित बंडे महाकाली देवी उत्सव की शोभायात्रा में विशेष अतिथि के रूप में समाजसेवी महेंद्र मुणोत शामिल हुए। मुणोत ने देवियों की पूजा की आशीर्वाद लिया तथा कार्यक्रम में भाग लिया।

कटारिया कप बैडमिंटन के नीलामी कार्यक्रम में दिखा उत्साह

बेंगलूरु। स्थानीय कांठा प्रांत साजनान संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में कटारिया कप बैडमिंटन प्रतियोगिता के सीजन 2 का आयोजन कांठा प्रांत जैन मित्र मंच द्वारा 11 अप्रैल को होगा। प्रतियोगिता के लिए महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों की नीलामी कार्यक्रम का आयाजन एक होटल में किया। मंच के अध्यक्ष अजीत कटारिया ने सभी का स्वागत किया। मंत्री निखिल गुंदेचा ने प्रतियोगिता के बारे में जानकारी दी। राजाजीनगर साजनान संघ के अध्यक्ष मनसुखलाल गांधी ने कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं को एकजुट करने का सशक्त माध्यम है। संयोजक मनीष बोहरा ने जानकारी दी कि विमल कटारिया, रमेश टपरावत एवं मुकेश गांधी की नेट निंजास टीम, विकास गुगलिया, विवेक पितलिया एवं गजेंद्र गुगलिया की रैकेट रेबल्स टीम, गौरव प्रिशा कटारिया की रॉयल चैलेंजर्स टीम, केवलचंद शैलेष दिनेश रमेश गुगलिया की एस एवेंजर्स टीम, ज्ञानचंद हेमंत कमल की शटल स्ट्राइकर्स टीम तथा भंवरलाल यशवंत गौरव गुंदेचा की पॉवर स्मैशर्स टीम इस प्रतियोगिता में भाग ले रही है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.